हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 223 बेमेतरा, मंगलवार 07 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

जग्गी हत्याकांड : अमित जोगी को आजीवन कारावास

बिलासपुर। 2003 के चर्चित राम अवतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने एक बड़ा फैसला सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और अरविंद कुमार वर्मा की खंडपीठ ने केंद्रीय जांच ब्यूरो की अपील स्वीकार कर ली। इसके तहत पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे अमित जोगी को बरी करने का ट्रायल कोर्ट का फैसला पलट दिया गया।

अमित जोगी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और धारा 120-बी (आपराधिक षड्यंत्र) के तहत दोषी ठहराया गया है। उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। साथ ही एक हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना न भरने पर अतिरिक्त छह माह के सश्रम कारावास की सजा दी जाएगी। हाईकोर्ट का यह निर्णय 31 मई 2007 के ट्रायल कोर्ट के फैसले को पूरी तरह से पलट देता है।

उस समय स्पेशल जज रायपुर ने अमित जोगी को बरी कर दिया था। हालांकि, चिमन सिंह, याह्या ढेबर, अभय गोयल और फिरोज सिद्दीकी सहित अन्य 28 आरोपियों को सजा सुनाई गई थी। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि एक ही गवाही पर कुछ आरोपियों को दोषी ठहराना और मुख्य साजिशकर्ता को बरी करना कानूनी रूप से असंगत और गलत है। यह फैसला 2003 के चर्चित हत्याकांड में एक महत्वपूर्ण मोड़ है।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस मामले को दोबारा खोला गया था। इसके बाद ही हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई हुई। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए अपना निर्णय दिया। यह फैसला न्याय प्रणाली में समानता और निष्पक्षता के महत्व को दर्शाता है। अदालत ने एक ही साक्ष्य के आधार पर अलग-अलग निर्णय को असंगत बताया। इस निर्णय से 2003 के चर्चित हत्याकांड में न्याय की उम्मीदें बढ़ी हैं। अमित जोगी को अब आजीवन कारावास की सजा भुगतनी होगी।

ये आरोपी ठहराये गये थे दोषी

जग्गी हत्याकांड में अभय गोयल, याहया ढेबर, वीके पांडे, फिरोज सिद्दीकी, राकेश चंद्र त्रिवेदी, अवनीश सिंह लल्लन, सूर्यकांत तिवारी, अमरीक सिंह गिल, चिमन सिंह, सुनील गुप्ता, राजू भदौरिया, अनिल पचौरी, रविंद्र सिंह, रवि सिंह, लल्ला भदौरिया, धर्मेंद्र, सत्येंद्र सिंह, शिवेंद्र सिंह परिहार, विनोद सिंह राठौर, संजय सिंह कुशवाहा, राकेश कुमार शर्मा, (मृत) विक्रम शर्मा, जबवंत, विश्वनाथ राजभर दोषी ठहराये गये थे।

ऐसे खुला जग्गी हत्याकांड केस

बता दें, कि पूर्व मुख्यमंत्री अजित जोगी के बेटे अमित जोगी 2003 के राम अवतार जग्गी हत्याकांड में सजा सुनाई गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने अमित जोगी का मामला संयुक्त सुनवाई के लिए किया सूचीबद्ध

रायपुर/दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अमित जोगी का मामला संयुक्त सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर लिया है। अमित जोगी ने X में वीडियो पोस्ट कर बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के 25.03.2026 और 02.04.2026 के दोनों निर्णयों को एक साथ जोड़ते हुए 20.04.2026 को संयुक्त सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। सुनवाई में मेरे पक्ष में वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल, मुकुल रोहतगी, विवेक तन्खा और सिद्धार्थ दवे ने प्रभावी रूप से पक्ष रखा। मैं सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश का स्वागत करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि मेरे साथ हुआ गंभीर अन्याय अब सुधारा जाएगा। सत्य और न्याय की जीत अवश्य होगी। जग्गी हत्याकांड में अमित जोगी को आजीवन कारावास की हुई सजा साल 2003 के चर्चित राम अवतार जग्गी हत्याकांड में हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस अरविंद कुमार वर्मा की खंडपीठ ने सीबीआई की अपील (ACQA No. 66/2026) को स्वीकार करते हुए ट्रायल कोर्ट के फैसले को पलट दिया। हाईकोर्ट ने तत्कालीन मुख्यमंत्री अजीत जोगी के पुत्र अमित जोगी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) और धारा 120-बी (अपराधिक षड्यंत्र) के तहत दोषी ठहराया है। कोर्ट ने उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 1,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना अदा नहीं करने की स्थिति में छह माह की अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा का प्रावधान किया गया है। हाईकोर्ट का यह फैसला 31 मई 2007 के ट्रायल कोर्ट के फैसले को पूरी तरह पलट दिया है। उस समय स्पेशल जज (एट्रोसिटी) रायपुर ने अमित जोगी को बरी कर दिया था, जबकि चिमन सिंह, याह्या ढेबर, अभय गोयल और फिरोज सिद्दीकी सहित अन्य 28 आरोपियों को सजा सुनाई गई थी।

हाईकोर्ट ने साफ कहा कि एक ही गवाही के आधार पर कुछ आरोपियों को दोषी ठहराया जाना और मुख्य साजिशकर्ता को बरी कर दिया जाना कानूनी रूप से असंगत और गलत है।

संक्षिप्त समाचार

राधाकृष्णन ने 19 सदस्यों को राज्यसभा की शपथ दिलाई

नयी दिल्ली। राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने सोमवार को नवनिर्वाचित और दोबारा चुनकर आये 19 सदस्यों को राज्यसभा की सदस्यता की शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले सदस्यों में छह तमिलनाडु से , पांच महाराष्ट्र , पांच पश्चिम बंगाल और तीन ओड़िशा से हैं। इनमें से तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के चार-चार, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के दो, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) , रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया, शिव सेना, राकांपा (शरद पवार), बीजू जनता दल, कांग्रेस, अन्नाद्रमुक, पीएमके, मरूमलारची द्रमुक का एक -एक और एक निर्दलीय सदस्य शामिल हैं। शपथ लेने वाले सदस्यों में तीन महिलाएं और 16 पुरूष हैं। इनमें से पांच सदस्य सदन में दोबारा चुनकर आये हैं।

1000 करोड़ के क्लब में शामिल हुई रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर: द रिवेंज

मुंबई। बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर: द रिवेंज ने भारतीय बाजार में 1013 करोड़ रूपये से अधिक की कमाई कर ली है। आदित्य धर के निर्देशन में बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म धुरंधर की सीक्वल धुरंधर: द रिवेंज का जलवा बरकरार है। हर दिन फिल्म पर करोड़ों रुपए की बारिश हो रही है। रणवीर सिंह की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म रिलीज होने के बाद से ही दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। फिल्म का क्रेज लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। इस फिल्म में रणवीर सिंह, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, राकेश बेदी और सारा अर्जुन की अहम भूमिका है। सैकनिल्क के प्राप्त आंकड़ों के अनुसार' धुरंधर: द रिवेंज' ने पेड प्रीव्यू के दौरान 18 मार्च को फिल्म ने 43 करोड़ रूपये की कमाई की।

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजारों में गिरावट

मुंबई। विदेशों से मिले मिश्रित संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी गयी। बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 157.97 अंक ऊपर 73,477.53 अंक पर खुला, लेकिन खुलते ही लाल निशान में लुढ़क गया। एक समय यह 419 अंक की गिरावट के साथ 72,900 अंक तक उतर गया था। खबर लिखे जाते समय यह 165.52 अंक (0.23 प्रतिशत) नीचे 73,154.03 अंक पर था।

इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 67.20 अंक की तेजी में 22,780.30 अंक पर खुला। खबर लिखे जाते समय यह 34.90 अंक यानी 0.15 प्रतिशत गिरकर 22,678.20 अंक पर था। आईटी, धातु और सार्वजनिक बैंकों में तेजी देखी गई जबकि फार्मा, स्वास्थ्य, तेल एवं गैस, निजी बैंक, रसायन और मीडिया समूहों के सूचकांक लाल निशान में रहे।

जापान जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईरान के साथ सीधे संपर्कों का कर रहा है उपयोग: ताकाइची

टोक्यो। प्रधानमंत्री सानाए तकाइची ने कहा है कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच जापान होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ईरान के साथ सीधे संचार माध्यमों का उपयोग कर रहा है।

ताकाइची ने संसद में प्रश्नों के उत्तर में कहा, हमने आज तक विभिन्न स्तरों पर ईरान के साथ घनिष्ठ संवाद बनाये रखा है। फारस की खाड़ी में जापान से जुड़े जहाजों सहित कई जहाजों के फंसे होने पर चिंता व्यक्त करते हुए, हम मांग करते हैं कि ईरानी पक्ष होर्मुज जलडमरूमध्य में सभी जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित कार्रवाई करे।

उन्होंने कहा कि इसके साथ इस सीधे माध्यम का उपयोग करते हुए, हम होर्मुज जलडमरूमध्य में नौवहन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उचित उपायों की तलाश जारी रखेंगे। यह महत्वपूर्ण है कि होर्मुज जलडमरूमध्य में जापानी जहाजों सहित सभी जहाजों का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित किया जाये। उल्लेखनीय है कि अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को ईरान में हमले शुरू किये थे। ईरान, इजरायली क्षेत्र के साथ-साथ पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमलों के साथ जवाबी कार्रवाई कर रहा है। इससे होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से होने वाला नौवहन प्रभावी रूप से रुक गया है।

ईरान में बचाव अभियान के दौरान अमेरिका ने अपने ही विमानों पर बमबारी की : आईआरजीसी

तेहरान। ईरान के वायु रक्षा कमान ने कहा है कि अमेरिकी सेना ने बचाव अभियान के दौरान अपने ही विमानों पर बमबारी कर दी।

ईरान के एकीकृत वायु रक्षा कमान खातम अल-अंबिया मुख्यालय के प्रवक्ता ने कहा, जब ईरान के लड़ाकू विमानों ने घेराबंदी पूरी कर ली, तो ट्रंप की बेइज्जती से बचने और अपनी सेना की प्रतिष्ठा को बचाने के लिए अपने ही गिराए गए विमानों, साजो-सामान, कमांडरों और सैनिकों पर भारी बमबारी करने को मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के कई विमानों को निशाना बनाया गया और उन्हें इस्फहान के दक्षिण में आपातकालीन लैंडिंग करने पर मजबूर होना पड़ा। इनमें दो सी-130 सैन्य परिवहन विमान और दो ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर शामिल थे।

इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने एक बयान में अमेरिका के इस अभियान को 'विफल' बताया गया और कहा गया।

अमेरिका-इजरायल के साथ युद्ध कई सालों तक चलेगा तो भी नहीं होगी मिसाइलों की कमी: ईरान

तेहरान। ईरान ने कहा है कि अगर अमेरिका और इज़रायल के साथ सैन्य संघर्ष कई सालों तक चलता है, तब भी उसके पास मिसाइलों की कोई कमी नहीं होगी।

यह बात ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा एवं विदेश नीति पर संसदीय आयोग के सदस्य अलाएद्दीन बोरूजेर्दी ने रविवार को कही। ईरानी संसद की एजेंसी 'खाने-ए-मल्लत' ने बोरूजेर्दी के हवाले से कहा, अगर यह युद्ध महीनों या सालों तक भी चलता है, तब भी ईरान को मिसाइल और रणनीतिक भंडारों के मामले में कोई समस्या नहीं होगी।

रिपोर्ट के अनुसार ईरान ने अमेरिका और इज़रायल के साथ सैन्य कार्रवाइयों के दौरान पूरी दुनिया के सामने कई क्षेत्रों में अपनी रक्षा क्षमताओं का प्रदर्शन किया है, जिससे यह साबित होता है कि उसकी सेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेनाओं में से एक है।

गौरतलब है कि अमेरिका और इज़रायल ने 28 फरवरी को ईरान में कई ठिकानों पर हमले किए, , जिसमें तेहरान भी शामिल था। इससे काफी नुकसान हुआ और आम नागरिकों की जान भी गई।

सुप्रीम कोर्ट का जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के लिए अडानी एंटरप्राइजेज की समाधान योजना पर रोक लगाने से इनकार

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के लिए अडानी एंटरप्राइजेज की समाधान योजना (रिजॉल्यूशन प्लान) के कार्यान्वयन पर रोक लगाने की वेदांत लिमिटेड की याचिका स्वीकार करने से सोमवार को इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने हस्तक्षेप करने से इनकार करते हुए कहा कि राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने वेदांत की अपील पर सुनवाई के लिए 10 अप्रैल की तारीख तय की है। वेदांत ने कहा है कि उसकी ऊंची बोली पर ठीक से विचार नहीं किया गया, जो दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत अधिक से अधिक प्राप्त करने के उद्देश्य का उल्लंघन है।

केरल चुनावों पर संकट के बादल: नौ अप्रैल गरज के साथ तूफान की चेतावनी से मतदान प्रतिशत को लेकर चिंता बढ़ी

तिरुवनंतपुरम। केरल में आगामी नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से कुछ ही दिन पहले प्रतिकूल मौसम के पूर्वानुमान ने मतदान की संभावनाओं पर असर डाला है। राजनीतिक दलों ने चिंता जताई है कि गरज के साथ और छिटपुट बारिश पूरे राज्य में मतदाता प्रतिशत प्रभावित कर सकता है।

मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने एक विस्तृत चेतावनी जारी की है जिसमें बताया गया है कि पांच और छह अप्रैल को केरल में अलग-अलग स्थानों पर बिजली कड़कने और 40-50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तेज हवाओं चलने की प्रबल अनुमान है। मौसम का यह अनिश्चित स्वरूप सात और आठ अप्रैल को भी जारी रहने की उम्मीद है, जिसमें 30-40 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि मतदान के दिन नौ अप्रैल को भी मौसम विभाग ने एक या दो स्थानों पर बिजली कड़कने के साथ गरज के साथ बारिश का पूर्वानुमान जताया है। इससे संकेत मिलता है कि भले ही व्यापक रूप से भारी बारिश न हो लेकिन स्थानीय स्तर पर मौसम का व्यवधान कुछ क्षेत्रों में मतदाताओं की आवाजाही और मतदान प्रतिशत में बाधा डाल सकता है। मौसम विभाग ने भारी बारिश की चेतावनी भी जारी की है, जिसमें पांच और छह अप्रैल को अलग-अलग स्थानों पर 24 घंटों के भीतर सात सेंटीमीटर से 11 सेंटीमीटर तक बारिश होने की पूर्वानुमान है।

इन दोनों दिनों के लिए पतनमतिट्टा, इडुक्की, पलक्कड़ और मलप्पुरम जिलों में 'येलो अलर्ट' घोषित किया गया है, जो भारी बारिश के अनुमान के कारण सामान्य जीवन और चुनाव पूर्व की व्यवस्थाएं प्रभावित हो सकती हैं। मौजूदा अनुमान के मुताबिक हालोकि नौ अप्रैल तक बारिश की तीव्रता कम हो सकती है, फिर भी राजनीतिक दल सतर्क हैं।

अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सेवा उत्कृष्टता पुरस्कार 2026 : इंडो-नेपाल टूरिज्म वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आशीष कंठले का सम्मान

मूक पत्रिका/बेमेतरा। नेपाल के विराटनगर में 5 अप्रैल 2026, रविवार को आयोजित एक गरिमामय समारोह में बेमेतरा जिले के वरिष्ठ पत्रकार एवं दैनिक मूक पत्रिका के मुख्य संपादक आशीष कं ठले को 'अंतरराष्ट्रीय सामाजिक सेवा उत्कृष्टता पुरस्कार 2026' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें इंडो-नेपाल टूरिज्म वेलफेयर सोसाइटी द्वारा पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान तथा समाज के प्रति समर्पित सेवा के लिए प्रदान किया गया।

समारोह का आयोजन भारत और नेपाल के बीच पर्यटन, सांस्कृतिक संबंधों तथा सामाजिक सहयोग को प्रगाढ़ बनाने के उद्देश्य से किया गया था। इस अवसर पर दोनों देशों के प्रमुख पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

इंडो-नेपाल टूरिज्म वेलफेयर सोसाइटी का

मुख्य उद्देश्य भारत और नेपाल के बीच पर्यटन को बढ़ावा देना, सांस्कृतिक रिश्तों को मजबूत करना तथा सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास में सहयोग को नई दिशा देना है। कार्यक्रम में भारत-नेपाल मैत्रीपूर्ण संबंधों, साझा इतिहास और पारिवारिक रिश्तों को और अधिक सशक्त बनाने पर विशेष चर्चा की गई।

बेमेतरा जिले की माटी में जन्मे आशीष कांठले को यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिलने से जिले सहित पूरे छत्तीसगढ़ में हर्ष और गर्व का माहौल है। पत्रकार जगत में भी इस उपलब्धि को लेकर खुशी की लहर देखी जा रही है।

समारोह के दौरान आशीष कांठले ने भारत और नेपाल के पत्रकारों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ संवाद करते हुए दोनों देशों के बीच पर्यटन को नई ऊँचाइयों तक ले जाने तथा सामाजिक सहयोग को और मजबूत करने पर अपने विचार साझा किए।

बेमौसम तूफान का कहर : आंधी, गरज-चमक और ओलावृष्टि में दंपति घायल

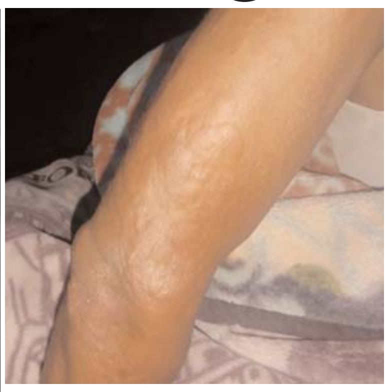

बकावंड ब्लॉक के चोलनार गांव में तेज हवा से स्कूटी उड़ी, पति-पत्नी ने एक-दूसरे को थामकर बचाई जान

बस्तर/मूक पत्रिका

जिले में बेमौसम मौसम ने अचानक कहर बरपाया। कई इलाकों में तेज आंधी, गरज-चमक और ओलावृष्टि के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में तेज हवाओं और बर्फके गोलों (ओलों) ने लोगों को काफी परेशानी में डाल दिया। इसी दौरान बकावंड ब्लॉक के ग्राम पंचायत चोलनार में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया।

गांव निवासी रामेश्वर बघेल (रमेश) (50 वर्ष) अपनी पत्नी सुकरी बघेल के साथ पुराने घर से अपने नए घर (प्लॉट) की ओर जा रहे थे। शाम करीब 6 से 7 बजे के बीच अचानक तेज आंधी-तूफान और ओलावृष्टि शुरू हो गई। तेज हवाओं के बीच दोनों स्कूटी से जा रहे थे, तभी हवा के झोंके ने स्कूटी को असंतुलित कर दिया और वे सड़क पर गिर पड़े।

हालात इतने भयावह थे कि दोनों एक-दूसरे से लिपटकर खुद को संभालते रहे और किसी तरह अपनी जान बचाई। इस दौरान रामेश्वर बघेल (रमेश) अपनी पत्नी को बचाने के प्रयास में खुद बुरी तरह घायल हो गए। उनके पूरे शरीर पर ओलों के कारण चोटें आई, वहीं उनकी पत्नी सुकरी बघेल के सिर में भी चोट लगी। घटना के बाद उन्होंने अपने पुत्र को सूचना दी, जिसके बाद दोनों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। फिलहाल दोनों की हालत स्थिर है और उपचार के बाद वे अपने घर पर आराम कर रहे हैं। बेमौसम आंधी-तूफान और ओलावृष्टि ने एक बार फिर प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सतर्क रहने की जरूरत को उजागर किया है। प्रशासन द्वारा मौसम की चेतावनियों को गंभीरता से लेने और ऐसे हालात में सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की जा रही है।

नरहरपुर : भाजपा स्थापना दिवस पर उमड़ा उत्साह, 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प के साथ मनाया गया उत्सव

कांकेर/नरहरपुर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर नरहरपुर मंडल के विभिन्न ग्रामों में हर्षोल्लास का माहौल रहा। जनपद क्षेत्र क्रमांक 7 के अंतर्गत आने वाले ग्राम कुरना, ढेकुना और चवाड़ में पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जहाँ संगठन की मजबूती और सेवा का संकल्प लिया गया।

अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाना लक्ष्य' कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने भाजपा के मूल मंत्र ÷राष्ट्र प्रथम, अंत्योदय एवं सेवा÷ पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पार्टी समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की मुख्यधारा को पहुँचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। स्थापना दिवस के इस अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर संगठन के सिद्धांतों को आत्मसात करने का प्रण लिया। जनपद सदस्य व प्रदेश कन्या शक्ति सह-संयोजिका (भारतीय जनता युवा मोर्चा) शिल्पा साहू ने अपने संबोधन में कार्यकर्ताओं के समर्पण की प्रशंसा की उन्होंने कहा÷भाजपा कार्यकर्ता निरंतर समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे रहे हैं। हम सभी को विकसित एवं सशक्त भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभानी होगी।÷ प्रमुख पदाधिकारियों की रही उपस्थिति इस गरिमामयी अवसर पर मंडल और ग्राम स्तर के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से :नरोत्तम सिन्हा,झाड़ूराम बेशरा,सतीश साहू ,हृदय साहू कंचन सलाम ,छबीला कुंजामइसके साथ ही रमेश साहू, खमन साहू, राजेश्वरी साहू, प्रभु यादव, डिलेश साहू, तिजीया साहू, अमृता झुर्री, अमृता मौर्य, माधुरी मौर्य, विजय झुर्री, संदीप झुर्री, जोहरीन मंडावी सहित बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित थे।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 360 मरीजों को उच्च प्रोटीन युक्त पोषण आहार वितरण

दल्लीराजहरा/मूक पत्रिका

टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत सेल भिलाई इस्पात संयंत्र के निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व विभाग द्वारा प्रशासनिक भवन स्थित मुख्य महाप्रबंधक सभागार में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 360 क्षय रोग (टीबी) मरीजों को उच्च प्रोटीन युक्त पोषण आहार पैकेट वितरित किए गए। यह कार्यक्रम लौह अयस्क समूह दल्लीराजहरा के सौजन्य एवं महिला समाज दल्लीराजहरा के सहयोग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ उपमहाप्रबंधक सह नगर प्रशासक टाउनशिप, दल्लीराजहरा द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा एवं उद्देश्य की जानकारी दी। इस कार्यक्रम के मार्गदर्शक एवं प्रेरणास्रोत लौह अयस्क समूह दल्लीराजहरा के मुख्य महाप्रबंधक आर.बी. गहरवार ने अपने उदबोधन में कहा कि यह पहल केवल सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मरीजों के स्वास्थ्य, आत्मविश्वास एवं जीवन को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। कार्यक्रम में उपस्थित क्षय रोग विशेषज्ञ डॉ. पी.एल. मेरिया द्वारा टीबी के लक्षण, उपचार एवं बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि टीबी एक गंभीर बीमारी है, किन्तु समय पर सही इलाज, संतुलित पोषण एवं समाज के सहयोग से इसे पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है। महिला समाज दल्लीराजहरा की अध्यक्ष रेखा गहरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि जो व्यक्ति दूसरों के दर्द को समझता है, वही सच्चा इंसान होता है तथा सेवा के मार्ग पर चलकर जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। इस अवसर पर अनुरक्षण एवं सेवा विभाग के महाप्रबंधक मयाराम ठाकुर, महामाया, दुलकी एवं कलवर खदान के महाप्रबंधक अरुण कुमार, तथा डौण्डी ब्लॉक के क्षय रोग उन्मूलन प्रभारी मनेश निर्मलकर ने भी अपने विचार व्यक्त किए और इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने की आवश्यकता पर बल दिया। इसके पश्चात मुख्य महाप्रबंधक आर.बी. गहरवार, उपमहाप्रबंधक मंगेश शेलकर एवं महिला समाज के पदाधिकारियों द्वारा क्षय रोग मरीजों को उच्च प्रोटीन युक्त पोषण आहार पैकेट वितरित किए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन अतिरिक्त श्रम कल्याण अधिकारी घनश्याम पारकर द्वारा किया गया जबकि आभार प्रदर्शन सी.एस.आर. विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक दुर्गेश मजगहे ने किया।

भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस पर बूथों में हुआ ध्वजारोहण, संगठन की मजबूती पर दिया गया जोर

बेमेतरा/मूक पत्रिका

नगर में भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर बूथ क्रमांक 27, 28, 29, 30 एवं 31 में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विजय सिन्हा द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

इस दौरान कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में पार्षद नीतू कोठारी, दोहाई वर्मा, भानु साहू, गोलू साहू, लच्छन वर्मा, गिरवर साहू, डॉ. दामिन वर्मा, वैभव तिवारी, नंदलाल वर्मा सहित समस्त भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए और पार्टी के स्थापना दिवस को उत्साहपूर्वक मनाया। इस अवसर पर विजय सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने सभी को एक झंडे के नीचे जोड़कर संगठन को मजबूत करने का कार्य किया।

उनके विचारों और सिद्धांतों के चलते आज भारतीय जनता पार्टी एक विशाल वट वृक्ष के रूप में विकसित होकर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है। कार्यक्रम के अंत में कार्यकर्ताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा जनसेवा के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति एवं जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना के लिए आवेदन आमंत्रित

कवर्धा/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना अंतर्गत जिले के अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभावान विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना का उददेश्य विद्यार्थियों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करते हुए उनमें नई सोच का विकास करना, बेहतर कैरियर चयन हेतु मार्गदर्शन देना, प्रतिस्पर्धी वातावरण में तैयार करना तथा उनके बहुमुखी व्यक्तित्व विकास के लिए अवसर उपलब्ध कराना है। योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक छत्तीसगढ़ राज्य के चयनित उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में निःशुल्क अध्ययन की सुविधा प्रदान की जाएगी। इन विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए निर्धारित मान्य शुल्क की प्रतिपूर्ति विभाग द्वारा की जाएगी। योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु जिले में संचालित इच्छुक एवं पात्र संस्थाओं से रुचि की अभिव्यक्ति के प्रारूप में प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। सभी इच्छुक संस्थाएं अपने प्रस्ताव कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, कबीरधाम में 23 अप्रैल 2026, शाम 5 बजे तक अनिवार्य रूप से जमा कर सकते हैं। योजनांतर्गत संस्थाओं के लिए निर्धारित मापदंड, पात्रता एवं अन्य विस्तृत जानकारी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है, जिसका अवलोकन कर आवश्यक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

जिला प्रशासन के नीर चेतना अभियान का सकारात्मक असर अब जिले के खेतों में दिखने लगा

दल्लीराजहरा/मूक पत्रिका

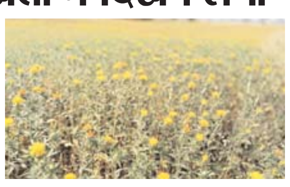

भारत सरकार की तिलहन प्रोत्साहन योजनाओं और जिला प्रशासन के नीर चेतना अभियान का सकारात्मक असर अब जिले के खेतों में दिखने लगा है। कृषि विभाग द्वारा आयोजित कृषक चौपाल और फसल चक्र परिवर्तन के संदेश से प्रेरित होकर जिले के किसानों ने पारंपरिक खेती के साथ-साथ तिलहन उत्पादन, विशेषकर कुसुम की खेती की ओर कदम बढ़ाए हैं। कृषि विभाग के उप संचालक आशीष चंद्राकर ने बताया कि जिले में कृषि विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन और प्रशिक्षण का ही परिणाम है कि जिस कुसुम की खेती का रकबा पहले शून्य था, वह इस वर्ष बढ़कर 157 हेक्टेयर तक पहुंच गया है। उन्नत बीजों का चयन, कतार पद्धति से बुआई और संतुलित उर्वरक प्रबंधन के कारण वर्तमान में फसल की स्थिति अत्यंत उत्साहजनक है। स्थानीय किसानों के अनुसार, कुसुम की खेती कई मायनों में फायदेमंद है, कम जल खपत, इसे बहुत ही सीमित सिंचाई की आवश्यकता होती है। यह फसल कम समय में तैयार हो जाती है और लागत भी न्यूनतम आती है। कुसुम की खेती मिट्टी की उर्वरा शक्ति को बनाए रखने में सहायक मानी जाती है।

मौसम अनुकूल रहने पर अच्छी पैदावार से किसानों की आय दोगुनी होने की प्रबल उम्मीद है। घरेलू तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जिले के सभी विकासखंडों के 37 ग्रामों के 194 कृषकों ने पहली बार नवीन तिलहन फसल के रूप में कुसुम का प्रदर्शन लिया है। जिले में भविष्य में कुसुम की खेती के विस्तार हेतु बीज की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए गए

जिले के सभी ग्राम पंचायतों में चावल उत्सव के साथ होगा रोजगार एवं आवास दिवस का आयोजन

- **रोजगार एवं आवास दिवस पर निर्माण कार्यों में आ रही समस्याओं का होगा निराकरण**
- **जल संरक्षण,आजीविका एवं आवास पूर्ण करने पर होगी ग्रामीणों से चर्चा**

कवर्धा/मूक पत्रिका

जिले के समस्त ग्राम पंचायतों में रोजगार एवं आवास दिवस के साथ चावल उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर ग्रामीण विकास व आजीविका संवर्धन से जुड़े विभिन्न जन कल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी ग्रामीणों को दी जाएगी। महात्मा गांधी नरेगा अंतर्गत सभी प्रगतिरत कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने एवं मांग के आधार पर नए कार्य प्रारंभ करने पर चर्चा की जाएगी। जल संरक्षण के लिए मोर-गांव-मोर-पानी, मोर तरिया अभियान में नवा तरिया-आय के जरिया अभियान अंतर्गत समस्त संकुल स्तरीय संगठन के लिए नवा तरिया निर्माण करने उपयुक्त स्थलों का चिन्हांकन हेतु ग्रामीणों से चर्चा होगी। जिला पंचायत सीईओ अभिषेक अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि रोजगार एवं आवास दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री आवास के निर्माण को गति देने के लिए ग्रामीणों से विचार विमर्श होगा। निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं का समाधान, सामग्रियों की आपूर्ति सहित हितग्राहियों को आजीविका से जोड़ने पर बातचीत की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास एवं जनमन आवास को 90 दिवस में पूर्ण करने के लिए ग्रामीणों के साथ मिलकर कार्य योजना बनाई जाएगी। सभी ग्राम पंचायतों में रोजगार एवं आवास दिवस आयोजन करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य शासन की योजनाओं एवं नए निर्देशों से ग्रामीणों को परिचित कराना है। सीईओ अभिषेक अग्रवाल ने आगे बताया की रोजगार एवं आवास दिवस के साथ चावल उत्सव मनाया जाएगा और विभाग अंतर्गत अन्य महत्वपूर्ण विषय पर ग्रामीणों का ज्ञानवर्धन किया जाना है। ज्ञात हो की प्रत्येक माह की 7 तारीख को प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतो में रोजगार एवं आवास दिवस के साथ चावल उत्सव का आयोजन किया जाता है जिसमें ग्रामीण बड़ी संख्या में भागीदारी करते हैं।

28 दिन का महीना बनाकर कंपनियां वसूल रहीं '13वां रिचार्ज'

- **बचा डेटा हर रात 12 बजे खत्म, सालभर में 150जीबी तक नुकसान, प्रज्ञा निर्वाणी ने केंद्रीय टेलीकॉम मंत्री को लिखा पत्र**

बेमेतरा/मूक पत्रिका

टेलीकॉम कंपनियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष प्रज्ञा निर्वाणी ने केंद्रीय दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा की मांग की है। प्रज्ञा निर्वाणी ने पत्र में लिखा कि कंपनियां तकनीकी नियमों के नाम पर आम जनता से योजनाबद्ध तरीके से अतिरिक्त वसूली कर रही हैं, जिसे अब रोका जाना जरूरी है।

समझिए '13 महीने' का गणित- कंपनियां 28 दिन का रिचार्ज देती हैं, 1 साल = 365 दिन, 28*13 = 364 दिन, यानी उपभोक्ता को सालभर सेवा के लिए 13 बार रिचार्ज कराना पड़ता है, जबकि वर्ष 12 महीनों का होता है, इसे प्रज्ञा निर्वाणी ने एक महीने की अतिरिक्त वसूली बताते हुए डेटा खत्म होने का खेल, हर दिन डाटा प्लान : 1.5जीबी प्रतिदिन, औसत उपयोगः 1 जीबी, रोजाना 500जीबी डेटा बेकार, 30 दिन में 915जीबी नुकसान, 1 साल में 150 जीबी से ज्यादा डेटा समाप्त। उन्होंने कहा कि यह डेटा उपभोक्ता ने खरीदा है, फिर भी उसे उपयोग करने का अधिकार नहीं मिल रहा।

रात 12 बजे 'डेटा शून्य' क्यों?- प्रज्ञा निर्वाणी ने सवाल उठाया कि बचा हुआ डेटा हर रात 12 बजे क्यों खत्म कर दिया जाता है? इसे अगले दिन उपयोग करने या सेव करने की सुविधा क्यों नहीं? उन्होंने कहा कि जब पैसे और डिजिटल सेवाएं ट्रांसफर हो सकती हैं,तो खरीदा हुआ डेटा किसी अन्य नंबर पर ट्रांसफर क्यों नहीं किया जा सकता? केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव से पत्र में माँग करते हुए लिखा कि अनयूज़्ड डेटा को कैरी फॉरवर्ड किया जाए, डेली डेटा को अगले दिन उपयोग की अनुमति मिले, डेटा ट्रांसफर की सुविधा लागू हो। बिना रिचार्ज इनकमिंग कॉल जारी रहे, 28 दिन की जगह 30/31 दिन की वैधता अनिवार्य हो। प्रज्ञा निर्वाणी ने कहा यह केवल तकनीकी व्यवस्था नहीं, बल्कि करोड़ों उपभोक्ताओं के साथ आर्थिक अन्याय है। कंपनियां नियमों की आड़ में जनता की जेब पर सीधा वार कर रही हैं। सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। इस मुददे के सामने आने के बाद उपभोक्ताओं में भी नाराजगी देखी जा रही है, विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि इस दिशा में ठोस नीति बनी, तो टेलीकॉम सेक्टर में पारदर्शिता और उपभोक्ता हितों को मजबूती मिलेगी।

पालकों से संवाद और समीक्षा बैठक आयोजित

कांकेर में बालवाड़ी कार्यक्रम को सशक्त बनाने मंथन : स्कूल दौरा

कांकेर/नरहरपुर /मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ कांकेर जिले में प्रारंभिक शिक्षा को मजबूत आधार देने के उद्देश्य से बालवाड़ी कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में जिला स्तर पर महत्वपूर्ण पहल की गई। डाइट परिसर, कांकेर में जिला अधिकारियों के मार्गदर्शन में डीआरजी (ष्ठद्बह्यह्लह्म्द्बष्ह्ल ऋद्गह्यशह्वह्म्ष्द्ग त्रह्म्शह्वश्च) सदस्यों के साथ एक दिवसीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक समग्र शिक्षा राज्य कार्यालय के निर्देशन एवं आह्वान ट्रस्ट के सहयोग से संपन्न हुई। बैठक में अंतरराष्ट्रीय स्तर से आए प्रतिनिधि अर्जुन सन्याल, आह्वान ट्रस्ट के सीईओ रोहन जोशी तथा राज्य प्रबंधक सेबी शर्मा की विशेष उपस्थिति रही, जिन्होंने के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। समीक्षा बैठक से पूर्व टीम द्वारा प्राथमिक शाला अलबेलापारा में संचालित बालवाड़ी केंद्र का दौरा किया गया। इस दौरान कक्षा में संचालित गतिविधियों का बारीकी से अवलोकन किया गया। टीम ने बच्चों की सीखने की प्रक्रिया, शिक्षण विधियों और कक्षा वातावरण का मूल्यांकन किया। इसके साथ ही पालकों, शिक्षकों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ संवाद आयोजित किया गया, जिसमें बच्चों के समग्र विकास में उनकी भूमिका पर चर्चा हुई। पालकों से यह समझने का प्रयास किया गया कि वे घर पर बच्चों की सीखने की प्रक्रिया में किस प्रकार सहयोग कर रहे हैं।

इस संवाद से घर और विद्यालय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त हुए। समीक्षा बैठक में शिक्षा गुणवत्ता पर विशेष जोर देने की बात की गई जिसमें डाइट कांकेर में आयोजित समीक्षा बैठक में डाइट प्राचार्य आनंद गुप्ता, डीएमसी नवनीत पटेल, एपीसी दिनेश कुमार नाग, सभी विकासखंडों के बीआरसी, डाइट व्याख्याता रामेश्वरी गौतम एवं गिरीश कुमार गौतम सहित 22 से अधिक डीआरजी सदस्यों ने सहभागिता की।

बैठक का मुख्य उद्देश्य बालवाड़ी कार्यक्रम की प्रगति की समीक्षा करना एवं ÷प्रशिक्षण आवश्यकता आंकलन÷ के आधार पर आगामी कार्ययोजना तैयार करना रहा। इस दौरान मुख्य प्रशिक्षक समीर कसेर एवं अमित कुमार साहू द्वारा विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रस्तुतीकरण में शिक्षकों की आवश्यकताओं, कक्षा में आने वाली चुनौतियों तथा उनके समाधान पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से भाषा एवं गणितीय कौशल विकास, गतिविधि आधारित शिक्षण, प्रभावी कक्षा प्रबंधन और बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार पर जोर दिया गया।

प्रतिभागियों ने अपने-अपने क्षेत्रों के अनुभव साझा किए। 50 से अधिक संयुक्त विद्यालय भ्रमणों से प्राप्त निष्कर्षों के आधार पर यह स्पष्ट हुआ कि बालवाड़ी स्तर पर मजबूत शैक्षणिक नींव के लिए नियमित अभ्यास, नवाचारी गतिविधियां और अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि शिक्षकों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिससे बालवाड़ी कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी और परिणामकारी बनाया जा सके। अंत में जिला अधिकारियों ने सभी प्रतिभागियों को समन्वित प्रयासों के साथ कार्यक्रम को जमीनी स्तर पर सशक्त बनाने के निर्देश दिए। बैठक का समापन सकारात्मक सुझावों एवं ठोस कार्ययोजना के साथ हुआ। बैठक में बालवाड़ी जिला समन्वयक ललित कुमार साहू, प्रदीप शर्मा, तुकाराम ठेकरे, लक्ष्मण मालवीय एवं विजय यादव सहित अन्य अधिकारी एवं सहयोगी उपस्थित रहे।

बस्तर की गर्भवती माताओं के लिए वरदान बनी जिला प्रशासन की पहल, अब नि:शुल्क अल्ट्रासाउंड से सुरक्षित होगा प्रसव

जगदलपुर/मूक पत्रिका

बस्तर के सुदूर वनांचलों और ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने एक अत्यंत मानवीय और संवेदनशील कदम उठाया है। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा के विशेष मार्गदर्शन में जिले की गर्भवती महिलाओं, विशेषकर हाई रिस्क प्रेगनेंसी यानी उच्च जोखिम वाले प्रसव के मामलों की सटीक पहचान के लिए अब निःशुल्क अल्ट्रासोनोग्राफी जांच की सुविधा सुनिश्चित की गई है। प्रशासन की इस सराहनीय पहल का मुख्य उद्देश्य यह है कि आर्थिक रूप से अक्षम परिवारों की माताओं को भी आधुनिक नैदानिक सुविधाएं मिल सके, ताकि गर्भधारण के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी चिकित्सीय जटिलता का सही समय पर पता लगाकर उसका त्वरित निदान किया जा सके। स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से संचालित इस विशेष अभियान के तहत न केवल उच्च जोखिम वाली स्थितियों की समय रहते पहचान होगी, बल्कि गर्भ में पल रहे शिशु की सुरक्षा को भी एक नया सुरक्षा कवच मिलेगा। प्रायः देखा जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में समय पर उच्च स्तरीय जाँच न हो पाने के कारण अंतर्गर्भाशयी मृत्यु, मृत जन्म, गर्भपात और समय से पूर्व प्रसव जैसी चुनौतियां सामने आती हैं, लेकिन अब आधुनिक जाँच सुविधा के इस विस्तार से इन गंभीर समस्याओं को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकेगा। यह प्रयास अंततः मातृ मृत्यु दर में कमी लाने और सुरक्षित प्रसव की दर को बढ़ाने में एक मील का पत्थर साबित होगा। इस महत्वपूर्ण और जीवन रक्षक जाँच प्रक्रिया को सुलभ बनाने के लिए जिला प्रशासन ने एक स्मार्ट रणनीति अपनाते हुए शहर के निजी स्वास्थ्य संस्थानों और डायग्नोस्टिक सेंटरों के साथ अनुबंध किया है, जिससे अब क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को जाँच के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। इसी कड़ी में जमीनी स्तर पर सफलता दिखनी भी शुरू हो गई है, जहाँ बस्तर विकासखंड की 20 और जगदलपुर शहरी क्षेत्र की 15 गर्भवती महिलाओं को इस सुविधा का लाभ मिलना तय हुआ है। इसके साथ ही दरभा विकासखंड की 12 गर्भवती महिलाओं सहित बकावंड विकासखंड की 2 और जगदलपुर विकासखंड के ग्रामीण क्षेत्र नानगुर की 2 गर्भवती महिलाओं को भी शामिल किया गया है। जिला प्रशासन की यह संवेदनशीलता न केवल बस्तर में बेहतर होते स्वास्थ्य ढांचे को प्रदर्शित करती है, बल्कि यह जच्चा और बच्चा दोनों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक क्रांतिकारी और ऐतिहासिक प्रयास है।

राष्ट्र प्रथम के संकल्प के साथ बेवरती में भाजपा का 47वां स्थापना दिवस संपन्न,

भाजपा कार्यालय मैं और बेवरती में हुआ ध्वजारोहण

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ :-भारतीय जनता पार्टी के 47 वें स्थापना दिवस के गौरवशाली अवसर पर आज गृह ग्राम बेवरती में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। क्षेत्रीय विधायक मा आशाराम नेताम की विशेष उपस्थिति में अंगना कार्यालय में भाजपा का ध्वज फहराया गया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रसेवा और संगठन के सिद्धांतों के प्रति अपनी अटूट निष्ठा व्यक्त की। विधायक आशाराम नेताम कार्यकर्ताओं को किया संबोधित ,कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक आसाराम नेताम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का इतिहास त्याग और तपस्या का रहा है। उन्होंने कहा, ÷डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवाद, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और अटल बिहारी वाजपेयी के सुशासन के आदर्श आज भी हमारे पथप्रदर्शक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में भाजपा आज विकास और आत्मनिर्भरता के नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है।÷ राष्ट्र निर्माण का संकल्प विधायक ने जोर देकर कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त संकल्प है। ÷राष्ट्र प्रथम÷ के मंत्र के साथ पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के कल्याण के लिए समर्पित है। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और पार्टी पदाधिकारियों ने विधायक के साथ मिलकर महापुरुषों के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की और संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने का संकल्प लिया।

कांकेरः निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर कलेक्टर सख्त, समय-सीमा में काम पूरा करने के सख्त हिदायत; लापरवाही पर जताई नाराजगी

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर/ उत्तर बस्तर कांकेर 06 अप्रैल 2026जिले में संचालित निर्माण कार्यों को यथाशीघ्र पूरा करने के लिए कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर द्वारा संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

सोमवार को आयोजित समय-सीमा की बैठक में निर्माण कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होने पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्होंने सभी कार्यों को तेजी से पूरा करने के लिए निर्देशित किया। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए गए। पिछले वर्ष प्राप्त लक्ष्य को आधार मानकर कार्ययोजना बनाने कहा गया। पुल-पुलिया, आंगनबाड़ी भवन, पीडीएस भवन, मोबाईल टॉवर की स्थापना इत्यादि की प्रगति की समीक्षा भी उनके द्वारा की गई। जिला अस्पताल में नवनिर्मित भवन व ट्रामा सेंटर के लिए ट्रांसफार्मर लगाने के निर्देश भी विभागीय अधिकारी को दिए गए। समय-सीमा की बैठक में पीएम पोर्टल, मुख्यमंत्री जनदर्शन, कलेक्टर जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की समीक्षा भी की गई तथा सभी प्रकरणों को निराकृत करने के निर्देश दिए।

जिले में संचालित राजस्व शिविरों में जाति प्रमाण-पत्र बनाने के लिए भी कहा गया। नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन के प्रकरणों को समय-सीमा के भीतर निराकृत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ हरेश मंडावी, अपर कलेक्टर जितेन्द्र कुर्रे एवं ए.एस. पैकरा, सभी एसडीएम, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी, जनपद सीईओ व नगरीय निकायां के अधिकारी उपस्थित थे।

भाजपा का 47वां स्थापना दिवस बेलनार में मनाया गया, वन मंत्री केदार कश्यप ने किया ध्वजारोहण

नक्सल मुक्त क्षेत्र में संगठन विस्तार और जनसंपर्क पर जोर, कार्यकर्ताओं को दी शुभकामनाएं

भैरमगढ़/बीजापुर/मूक पत्रिका

भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस भैरमगढ़ मंडल के ग्राम पंचायत बेलनार, बूथ क्रमांक 148 (2) में उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वन मंत्री केदार कश्यप ने पार्टी ध्वज फहराकर स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत की। ध्वजारोहण के बाद उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों को भाजपा स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और मजबूत बनाने का आह्वान किया।

वन मंत्री केदार कश्यप ने अपने संबोधन में कहा कि नक्सल प्रभावित रहे क्षेत्रों में अब शांति और विकास का वातावरण बन रहा है और भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव तक पहुंचकर सरकार की योजनाओं का लाभ लोगों तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी का स्थापना दिवस कार्यकर्ताओं के लिए आत्ममंथन और संकल्प का दिन है, जिसमें संगठन विस्तार, जनसंपर्क और सेवा कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया जाता है।कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष जी वेंकट, प्रदेश प्रवक्ता टिकेश्वर जैन, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, जिलाध्यक्ष घासीराम नाग तथा पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार सहित पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में मौजूद रहे।इस दौरान वक्ताओं ने भाजपा की विचारधारा, संगठनात्मक कार्यों और केंद्र तथा राज्य सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक सक्रिय रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि नक्सल मुक्त होते क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने और शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।कार्यक्रम में स्थानीय पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे। स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत करने और आगामी कार्यक्रमों को सफल बनाने का संकल्प लिया।

मेसर्स गौतम कृषि केंद्र बफना पर उर्वरक क्रय विक्रय कृषि विभाग ने लगाया प्रतिबंध

कोंडागांव/मूक पत्रिका

कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार उप संचालक कृषि श्री कैलाश मरकाम के नेतृत्व में जिले के किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक निर्धारित दर पर समय पर उपलब्ध कराने तथा इन आदानों से संबंधित कालाबाजारी, जमाखोरी, अधिक मूल्य पर विक्रय, अमानक सामग्री के विक्रय एवं गैर-कृषि उपयोग जैसी अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार उड़नदस्ता दल द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है। इसी तारतम्य में जिले के किसानों को विक्रय यूरिया उर्वरक की भौतिक सत्यापन किया गया, जिसमे पीओएस मशीन एवं कृषको को प्राप्त उर्वरको में भिन्नता पाए जाने, स्टॉक रजिस्टर, विक्रय दर बोर्ड, कृषकों को बिल प्रदाय नही करने के कारण मेसर्स गौतम कृषि केंद्र ग्राम बफ्ना को 21 दिवस के लिए क्रय विक्रय पर प्रतिबंधित कर जांच की जा रही है। निरीक्षण के दौरान उर्वरक निरीक्षण श्री शशिकांत नाग सहित अन्य टीम के सदस्य उपस्थित रहे।

चांपा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर बंद एटीएम से यात्रियों की बढ़ी परेशानी

कायाकल्प के बाद भी मूलभूत सुविधा नदारद, प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग

चांपा/मूक पत्रिका

जिले के प्रमुख रेलवे स्टेशनों में से एक चांपा जंक्शन रेलवे स्टेशन इन दिनों यात्रियों की भारी असुविधा का कारण बना हुआ है। स्टेशन परिसर में स्थापित भारतीय स्टेट बैंक (स्क्ष्छ) का एटीएम पिछले करीब ढाई वर्षों से बंद पड़ा है, जिससे रोजाना हजारों यात्रियों को नकदी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। रेलवे स्टेशन ऐसा स्थान होता है, जहां यात्रियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है, लेकिन चांपा जंक्शन पर एटीएम जैसी आवश्यक सुविधा का लंबे समय से बंद रहना रेलवे प्रशासन की लापरवाही को उजागर करता है। डिजिटल लेन-देन के इस दौर में भी यात्रियों को टिकट, स्थानीय परिवहन, भोजन एवं आपातकालीन खर्च के लिए नकदी की जरूरत पड़ती है, लेकिन स्टेशन पर एटीएम बंद होने से उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हाल ही में चांपा जंक्शन रेलवे स्टेशन का अमृत भारत योजना के अंतर्गत कायाकल्प (रिनोवेशन) किया गया। स्टेशन का स्वरूप तो बदला, लेकिन यात्रियों की बुनियादी जरूरतों की अनदेखी साफनजर आई। एटीएम मशीन पहले से बंद थी और नवीनीकरण के बाद भी इसे चालू नहीं किया गया, जिससे यह सवाल उठ रहा है कि करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यात्रियों की सुविधाओं पर ध्यान क्यों नहीं दिया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि ठेकेदार और रेलवे अधिकारियों की मिलीभगत से घटिया निर्माण कार्य किया गया और अमृत भारत योजना का लाभ केवल दिखावटी ÷थूक पॉलिश÷ तक सीमित रह गया। एटीएम बंद होने के कारण यात्रियों को करीब एक किलोमीटर दूर शहर के अन्य एटीएम तक जाना पड़ता है। बाहर से आने वाले यात्रियों, बुजुर्गों, महिलाओं और रात्रि यात्रा करने वालों के लिए यह स्थिति न केवल असुविधाजनक बल्कि असुरक्षित भी है। जब इस विषय में स्टेशन मास्टर से संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया, जिसे यात्रियों ने अपने कर्तव्यों के प्रति उदासीनता बताया। स्थानीय नागरिकों और यात्रियों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि बंद पड़े एटीएम को तत्काल चालू कराया जाए और स्टेशन पर उपलब्ध अन्य आवश्यक सुविधाओं की भी समीक्षा कर उन्हें दुरुस्त किया जाए। लोगों का कहना है कि चांपा जंक्शन जैसे महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन पर वर्षों तक एटीएम बंद रहना न केवल प्रशासनिक लापरवाही है, बल्कि यह यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के साथ सीधा खिलवाड़ भी है। अब समय आ गया है कि रेलवे प्रशासन इस गंभीर समस्या पर संज्ञान ले और यात्रियों की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए ठोस और त्वरित कदम उठाए, ताकि चांपा जंक्शन पर आने-जाने वाले यात्रियों को राहत मिल सके।

विकास के नाम पर लूट! बीजापुर में भाजपा नेताओं का रेत खदानों पर अवैध कब्जे- विक्रम मंडावी

नक्सलियों के बाद अब भाजपा नेता जल, जंगल, जमीन और खनिज संसाधनों पर कर रहे हैं कब्जा : विक्रम मंडावी

बीजापुर जिले में रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी का गंभीर आरोप

बीजापुर /मूक पत्रिका

बिते सोमवार को विधायक विक्रम मंडावी ने जिला मुख्यालय बीजापुर में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली भाजपा की डबल इंजन सरकार के सत्ता में आने के बाद से बीजापुर जिले में खनिज संसाधनों, जल, जंगल और जमीन की व्यवस्थित लूट शुरू हो गई है। विधायक विक्रम मंडावी ने प्रेस वार्ता में कहा, ÷दशकों तक नक्सलवाद ने बस्तर के आदिवासियों को विकास से वंचित रखा। अब जब नक्सल समस्या खत्म हो गई है, तो 'विकास' के नाम पर भाजपा नेताओं ने आदिवासी क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा को निशाना बनाते हुए ग्रामीणों को डरा-धमकाकर भाजपा नेताओं के संरक्षण में उन पर कब्जा कर लिया है। गौण खनिज रेत का अवैध उत्खनन, भंडारण और अंतरराज्यीय परिवहन बीजापुर जिले में खुलेआम चल रहा है।÷ विधायक विक्रम मंडावी ने आगे कहा कि भोपालपटनम ब्लॉक के तारलागुड़ा, भद्राकाली, अटुकपल्ली, चंदुर, तिमेड़ और भैरमगढ़ ब्लॉक के मिंगाचल तथा इंद्रावती नदी किनारे की विभिन्न पंचायतों के ग्रामीणों और पंचायत प्रतिनिधियों से चर्चा के बाद ये तथ्य सामने आए हैं कि रेत के अवैध कारोबार में भाजपा के नेता और ठेकेदार सक्रिय हैं। उन्होंने अपने प्रेस वार्ता में आगे कहा कि बीजापुर का कथित रेत ठेकेदार और भाजपा नेता बी. गौतम राव तथा भाजपा नेता टी. गोवर्धन के साथ मिलकर तिमेड रेत खदान पर कब्जा जमाए हुए हैं। वहीं पूर्व मंत्री महेश गागड़ा के सबसे करीबी बीजापुर के भाजपा नेता गोपाल सिंह पवार, भैरमगढ़ भाजपा मंडल अध्यक्ष चिन्ना तेलम और भाजपा कार्यकर्ता विज्जा तेलम ने मिंगाचल रेत खदान पर कब्जा कर रखा है। इन लोगों ने रेत बिक्री की राशि, जो पंचायत के खाते में जमा होनी थी, उसे गोपाल सिंह पवार ने अपने खाते में ट्रांसफर करा लिया है। इसी प्रकार तारलागुड़ा के रेत खदान पर बस्तर सांसद के करीबी और वरिष्ठ भाजपा नेता अभिषेक ठाकुर ने कब्जा कर रखा है।ये सभी भाजपा नेता अपनी राजनीतिक पहुंच का इस्तेमाल कर ग्राम पंचायतों पर दबाव डालते हुए, बिना किसी ग्राम सभा की सहमति और उचित कानूनी प्रक्रिया के रेत का अवैध उत्खनन कर रहे हैं। साथ ही वे स्थानीय लोगों को बढ़ी हुई कीमत पर रेत बेच रहे हैं और सीमावर्ती राज्यों तेलंगाना व महाराष्ट्र में अवैध परिवहन कर रहे हैं, जिससे सरकार और पंचायतों को मिलने वाला राजस्व चोरी हो रहा है।विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि जिले के भाजपा नेता रेत के अवैध परिवहन के लिए एक रॉयल्टी पर्ची पर दर्जनों ट्रक रोजाना पड़ोसी राज्यों तेलंगाना और महाराष्ट्र में अवैध रूप से भेज रहे हैं। इससे सरकार और स्थानीय निकायों को मिलने वाली रॉयल्टी राशि की चोरी हो रही है तथा स्थानीय आदिवासी परिवारों को महंगी दर पर रेत खरीदनी पड़ रही है। उन्होंने इसे जिला खनिज विभाग, प्रशासन और भाजपा नेताओं के बीच गहरी सांठ-गाँठ का प्रमाण बताया।

विधायक ने प्रेस वार्ता के माध्यम से सवाल किया:÷क्या भाजपा नेताओं द्वारा बेशकीमती रेत खदानों पर कब्जा करने वाले इन भाजपा नेताओं पर कानूनी कार्यवाही होगी या नहीं?क्या मिंगाचल रेत खदान में पंचायत को मिलने वाली राशि को डरा-धमकाकर अपने खाते में ट्रांसफर कराने वाले पूर्व मंत्री के करीबी गोपाल सिंह पवार, चिन्ना तेलम और विज्जा तेलम के खिलाफ जांच कार्रवाई होगी या नहीं?÷विधायक विक्रम मंडावी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, जिला प्रशासन और खनिज विभाग से मांग की कि पूरे बीजापुर जिले में रेत के अवैध उत्खनन, भंडारण और परिवहन पर तुरंत रोक लगाई जाए, पूरे मामले की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच कराई जाए और दोषी भाजपा नेताओं, ठेकेदारों तथा संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार और प्रशासन रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन पर तुरंत संज्ञान नहीं लेता, तो कांग्रेस पार्टी जनता के साथ मिलकर जिले में उग्र आंदोलन करने को मजबूर होगी। इस पूरे मामले की जांच की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने कलेक्टर बीजापुर को ज्ञापन सौंपा है। प्रेस वार्ता के दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष लालू राठौर, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुड़ियम, बसंत राव ताटी, नीना रावतिया उद्दे, प्रवीण डोंगरे ज्योति कुमार, सोनू पोटाम, जगबंधु मांझी, पुरुषोत्तम खत्री, राजेश जैन, शेख रजिया, पुरुषोत्तम सल्लूर, दिनेश पुजारी, एजाज सिद्दीकी, वीरेंद्र सिंह ठाकुर, बाबू लाल राठी, लक्ष्मण कड़ती, बलराम कोरसा और कामेश मोरला सहित बड़ी संख्या कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

छोटे शहरों में वायु प्रदूषण का बढ़ता खतरा, बढ़ी चिंता

वायु प्रदूषण केवल महानगरों और बड़े शहरों की समस्या नहीं है, छोटे शहर भी इससे प्रभावित हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से यह दावा किया जाता है कि प्रदूषण को कम करने के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। देश भर में वायु गुणवत्ता का पता लगाने के लिए निगरानी केंद्र बनाए जाने की बात कही जाती है, मगर हकीकत यह है कि देश के करीब चालीस फीसद जिलों में अब तक निगरानी केंद्र स्थापित नहीं हो पाए हैं।ऐसे में जब यह पता ही नहीं चल पाएगा कि हवा में प्रदूषण का स्तर कितना है, तो उसे कम करने के प्रयास भी सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहेंगे।

वैश्विक कंपनी 'एअरवाइस' की ओर से बीते मंगलवार को जारी एक अध्ययन रपट में बताया गया है कि कई शहरों और कस्बों में लोगों को अपने आसपास फैल रहे प्रदूषण के बारे में वास्तविक जानकारी ही नहीं मिल पाती है, जिस कारण उनके स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ रहा है।गौरतलब है कि मुंबई, दिल्ली और बंगलुरु जैसे बड़े शहरों में तो वायु प्रदूषण पर कड़ी निगरानी रखी जाती है, लेकिन इस मामले में छोटे शहरों और कस्बों की आज भी अनदेखी की जा रही है। निगरानी केंद्र होने का एक फायदा यह है कि इससे आम लोगों को हवा में प्रदूषक तत्त्वों के स्तर की स्टीक जानकारी नियमित रूप से मिलती रहती है। ऐसे में सरकार और स्थानीय प्रशासन की ओर से उठाए जाने वाले कदमों के साथ-साथ लोग खुद भी सतर्क रहते हैं और मास्क लगाने तथा जरूरत पड़ने पर ही घरों से बाहर निकलने जैसे उपायों को प्राथमिकता देते हैं।मगर जब लोगों को इसकी सही जानकारी ही नहीं मिलेगी, तो वे इस तरह की सावधानी कैसे बरतेंगे। यह बात भी सामने आई है कि कुछ जिलों में निगरानी केंद्र तो हैं, लेकिन वे सही तरीके से काम नहीं कर रहे हैं। सरकार को चाहिए कि देश के तमाम शहरों में वायु गुणवत्ता को मापने के लिए माकूल तकनीकी व्यवस्था की जाए और निगरानी केंद्रों के उचित रख-रखाव के लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

कभी देश के एक तिहाई हिस्से पर अपनी समानांतर सरकार चलाने वाली माओवादी विचारधारा का क्या आज अंत हो जाएगा? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो चुका है, क्योंकि नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली केंद्रीय सरकार ने आज ही के दिन को माओवादी आतंकवाद का आखिरी दिन घोषित कर रखा है। ठीक एक हफ्ते पहले यानी 25 मार्च को बस्तर के मुख्यालय जगदलपुर में शीर्ष माओवादी नेता पापा राव के नेतृत्व में 18 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, तब कहा गया कि राव आखिरी महत्वपूर्ण नक्सली कमांडर हैं और उन्होंने भी हथियार सौंप दिए हैं।

माओवाद का खात्मा और साय सरकार की पुनर्वास नीति

(उमेश चतुर्वेदी)

इसी तरह झारकंड सरकार ने भी माओवादियों को समर्पण के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 'आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति' बनाई। जिसके तहत समर्पण के बाद माओवादियों को आर्थिक सहायता दी जाती है। उनके कौशल विकास के कार्यक्रम चलाए जाते हैं और उन्हें रोजगार के साथ ही आवास की व्यवस्था की जाती है।

कभी देश के एक तिहाई हिस्से पर अपनी समानांतर सरकार चलाने वाली माओवादी विचारधारा का क्या आज अंत हो जाएगा? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो चुका है, क्योंकि नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली केंद्रीय सरकार ने आज ही के दिन को माओवादी आतंकवाद का आखिरी दिन घोषित कर रखा है। ठीक एक हफ्ते पहले यानी 25 मार्च को बस्तर के मुख्यालय जगदलपुर में शीर्ष माओवादी नेता पापा राव के नेतृत्व में 18 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया, तब कहा गया कि राव आखिरी महत्वपूर्ण नक्सली कमांडर हैं और उन्होंने भी हथियार सौंप दिए हैं।

2014 के आम चुनावों में बीजेपी ने अपने घोषणा पत्र में माओवाद पर लगाम का वादा किया था। तब झीरम घाटी कांड की याद ताजा थी, छत्तीसगढ़ कांग्रेस का तकरीबन समूचे शीर्ष नेतृत्व को माओवादियों ने घेरकर मार डाला था। वैसे खुद नक्सली भी मानते रहे हैं कि उनके लिए कांग्रेस और बीजेपी सरकारों में खास अंतर नहीं रहा। अलबत्ता कांग्रेस सरकार माओवादी हिंसा के खिलाफ सख्त कदम उठाने से बचती रही हैं, जिस तरह बीजेपी की अगुआई वाली सरकारें उठाती रही हैं। बस्तर में छह अप्रैल 2010 को बारूदी सुरंगों के जरिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के 76 जवानों को उड़ाने के बाद नक्सलियों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी गुस्सा था। तत्कालीन मनमोहन सरकार ने माओवादियों के खिलाफ सैनिक कार्रवाई का मन बना लिया था, लेकिन सिविल सोसायटी के दबाव में यह विचार उसे छोड़ना पड़ा। लेकिन बीजेपी ने माओवादियों को कोई रियायत नहीं दी। 2019 में गृहमंत्रालय की कमान संभालने के बाद अमित शाह ने खुलेआम नक्सलियों को चेतावनी देनी शुरू कर दी कि या तो वे हथियार डालें या फिर गोली खाने के लिए तैयार रहें। इसके साथ ही उन्होंने 31 मार्च 2026 तक माओवादी हिंसा से देश को मुक्त करने का ऐलान कर दिया।

जिस तरह शीर्ष नक्सली कमांडर या तो मारे गए हैं या फिर उन्होंने हथियार डाले हैं, उससे लगता है कि बीजेपी सरकार का अपना वादा पूरा करने जा रही है। माओवादी विचारधारा के प्रभाव में घर-परिवार, सुख-चैन छोड़कर जंगलों की खाक छानने और सत्ता से जूझने वाले माओवादी युवाओं को मुख्यधारा में लाने में सिर्फ केंद्रीय सुरक्षा बलों की गोलियों का दबाव ही काम नहीं आया, बल्कि इसमें राज्यों की पुनर्वास

योजनाओं का भी बड़ा योगदान रहा है। छत्तीसगढ़ ने 2025-26 की अपनी पुनर्वास नीति में हिंसा छोड़ने वाले नक्सलियों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए कई कदम उठाए, जिनमें उसका 'पूना मारगेम' अभियान प्रमुख रहा। इन शब्दों का अर्थ है 'नया रास्ता'। इसके तहत दंडकारण्य क्षेत्र के सैकड़ों माओवादी कैडरों को मुख्यधारा में वापस लाने की सफल कोशिश हुई। इसके तहत नक्सलियों की वापसी के बाद उन्हें नई जिंदगी शुरू करने के लिए तत्काल डेढ़ लाख रूपए तक की आर्थिक सहायता दी गई, साथ ही उन्हें तीन साल के लिए मासिक वजीफा और व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाना शुरू हुआ। मकसद यह रहा कि हथियार छोड़ने के बाद मुख्यधारा में लौटे माओवादी आत्मनिर्भर जिंदगी बिता सकें। छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने हथियार सौंपने वाले माओवादियों को अलग से प्रोत्साहन राशि देने की भी व्यवस्था की। इससे राज्य में माओवादियों के समर्पण में तेजी आई। हथियार छोड़ने वाले माओवादियों के बच्चों की शिक्षा का इंतजाम किया गया, इसके साथ ही उन्हें सुरक्षित आवास भी मुहैया कराए गए। इसके साथ ही उन्हें वापसी के बाद भयमुक्त जीवन गुजारने के लिए परिवार की सुरक्षा की गारंटी भी दी गई।

इसी तरह झारकंड सरकार ने भी माओवादियों को समर्पण के लिए प्रोत्साहित करने के लिए 'आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति' बनाई। जिसके तहत समर्पण के बाद माओवादियों को आर्थिक सहायता दी जाती है। उनके कौशल विकास के कार्यक्रम चलाए जाते हैं और उन्हें रोजगार के साथ ही आवास की व्यवस्था की जाती है। साथ ही उन्हें और उनके परिवार को सुरक्षा की गारंटी दी जाती है। झारखंड की इस नीति का उद्देश्य समर्पित नक्सलियों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए आत्मनिर्भर बनाना है। इसके तहत हथियार जमा करने पर पूर्व नक्सलियों को प्रोत्साहन राशि, उन्हें तत्काल पुनर्वास अनुदान और घरेलू सामान के लिए नकद सहायता दी जाती है। साथ ही उनको कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है, ताकि वे भविष्य में अपना रोजगार कर सकें। इसके साथ ही उनके बच्चों को मुफ्त शिक्षा व छात्रवृत्ति की सुविधा भी दी जाती है। उन्हें आवास के लिए भूमि या प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर भी दिए जाते हैं। इसी तरह मुख्यधारा में लौटे नक्सलियों को खेती के लिए प्राथमिकता के आधार पर सोलर पंप और बिजली कनेक्शन भी देने का इंतजाम है। पूर्व नक्सलियों पर चल रहे छोटे मामलों को झारखंड सरकार जहां वापस ले रही है, वहीं गंभीर मामलों में कानूनी सहायता मुहैया करा रही है। कुछ ऐसे ही इंतजाम पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में किए गए हैं।

कभी माओवादियों के डर से बस्तर में सड़कें तक बनाना संभव नहीं था, बिजली पहुंचाना भी कठिन था। झारखंड के भी दूरदराज के इलाके में ऐसा ही हाल था। लेकिन केंद्र सरकार की शह पर राज्य सरकार ने नक्सली हिंसा प्रभावित क्षेत्र में भी सड़क, स्कूल और अस्पतालों का निर्माण कराने में तेजी आई। बस्तर के कुछ इलाके में रेलवे लाइन भी पहुंच गई है। नक्सली इलाके में सड़कें भी बेहतर हो गई हैं। इन कदमों से माओवादी प्रभाव में रहने वाले इलाकों में भरोसा बहाली में मदद मिली। सरकारी योजनाओं के साथ ही सरकार के प्रति भी स्थानीय लोगों का रवैया बदला।

कभी पशुपति से तिरुपति यानी नेपाल से आंध्र तक का जंगली इलाका लाल गलियारे के रूप में विख्यात था। यहां सुरक्षा बलों के लिए भी घुसना आसान नहीं था। इसमें देश के तकरीबन एक तिहाई जिले आते थे। इन जिलों में माओवादी वैचारिकी के असर वाले हथियारबंद दस्तों की सत्ता चलती थी। माओवादी स्कूलों, रेलवे लाइनों, पुलिस थानों, डाकघरों को निशाना बनाते थे। साथ ही वे इलाके की जनता को यह समझाने में कामयाब रहे थे कि मौजूदा व्यवस्था और तंत्र सिर्फ और सिर्फ उनका शोषण ही कर रहा है। चूंकि विकास की धारा इन इलाकों में माओवादी हथियारबंद दस्तों के अवरोध के चलते बह नहीं पा रही थी, इसलिए अविश्वास का माहौल बढ़ता रहा। लेकिन मोदी सरकार ने सत्ता संभालते ही एक तरफ माओवादियों को उन्हीं की तर्ज में गोली का जवाब गोली से देना शुरू किया, वहीं दूसरी तरफ उनके पुनर्वास के साथ ही नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास की धारा को भी बहाने की कोशिश तेज की।

ऊर्जा सुरक्षा पर निर्णायक मंथन का समय, वैश्विक युद्ध ने बढ़ाई भारत की चिंता

(ऋतुपर्ण दवे)

जो स्थितियां अभी बन चुकी हैं, वह कोई अच्छी नहीं है। जितना लंबा युद्ध खिंचेगा, मुश्किलें उतनी ही बढ़ेंगी। पहले यह समझना होगा कि हम कहां हैं? फिर यह जानना चाहिए कि चीन कहां हैं।

ईरान और अमेरिका-इजराइल युद्ध का अंजाम चाहे जो हो, लेकिन पूरी दुनिया फिलहाल चिंता में डूबी है। इस समय भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा पर गहन मंथन करने की जरूरत है। एक दीर्घकालीन हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। हालांकि अर्थव्यवस्था तभी सुदृढ़ हो सकती है, जब हमारी ऊर्जा नीति दूरदर्शी सोच वाली हो। भारत की जनसंख्या लगभग चीन के बराबर है। मगर दोनों के बीच आर्थिक असमानता साफ दिखती है। ऐसे में चीन के बराबर या उससे भी लंबी लकीर खींचने की जरूरत है। इसी सोच के साथ हमें आगे बढ़ना होगा।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध ने हमें क्या सबक दिया है?

रणनीति की तत्काल आवश्यकता है। हमें अपने प्रतिद्वंद्वी चीन से भी सीख लेनी होगी। भले ही दुनिया इस युद्ध की विभीषिका से प्रभावित है और तेल तथा गैस का संकट धीरे-धीरे गहराता जा रहा है। मगर चीन निश्चिंत है। पड़ोसी देश की इस निश्चिंतता के पीछे उसका बड़ा फायदा भी छिपा हुआ है। यदि यह युद्ध और लंबा खिंचता गया, तो भारत सहित दुनिया के कई देशों में स्थिति बिगड़ सकती है। इस युद्ध को हम भारत के भविष्य से जोड़ कर देखें, तो हमें काफी पहले ही सचेत हो जाना चाहिए था।

जो स्थितियां अभी बन चुकी हैं, वह कोई अच्छी नहीं है। जितना लंबा युद्ध खिंचेगा, मुश्किलें उतनी ही बढ़ेंगी। पहले यह समझना होगा कि हम कहां हैं? फिर यह जानना चाहिए कि चीन कहां हैं। कोई दोराय नहीं कि हमें अपनी ऊर्जा सुरक्षा पर रणनीति बनाने के लिए अब गंभीरता से विचार करना होगा। इस पर राष्ट्रव्यापी समर्थन और सुझावों की आवश्यकता है। इससे भी ज्यादा इस विषय पर राजनीति से इतर राष्ट्रनीति को आगे कर सबको एकजुट होने की जरूरत है। भू-राजनीति का सहारा लेकर हमें एक दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा नीति बनानी होगी, जिससे यह समझना होगा। चीन, भारत का पड़ोसी है। हम उससे कई मामलों में पीछे क्यों हैं, इन सभी स्थितियों पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। तेल-गैस आपूर्ति में अस्थिरता ने पूरे विश्व के समक्ष बहुत बड़ा ऊर्जा संकट खड़ा कर दिया है। अमेरिका की नजर ईरान के तेल-गैस भंडार पर है।

सर्वविदित है कि तेल दुनिया की अर्थव्यवस्था की धुरी है। भौगोलिक दृष्टि से ईरान और उसके करीबी तेल उत्पादक देशों में अनाज नहीं उपजता। तेल-गैस के बदले उन्हें खाद्य सामग्रियों पर निर्भर रहना पड़ता है। उनके पास तेल के अकूत भंडार हैं। इसलिए वे इतने समृद्ध हैं कि उन्हें किसी भी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ता। अमेरिका की आंखों में उनकी यही समृद्धि खटक रही है। लगातार चल रहे युद्ध से स्थिति बिगड़ने लगी है। इसके पीछे आपूर्ति श्रृंखला का टूटना है। भारत को ही लें, तो खाड़ी देशों से चला कच्चा तेल, लगभग 27 दिनों के बाद बंदरगाह पहुंचता है। उसके बाद तेल शोधक कारखानों में जाता है। फिर वहां से तेल शोधित होकर डिपो और फिर पेट्रोल-पंपों तक पहुंचता है। इस पूरे चक्र में लगभग एक महीना लग जाता है।

उत्पादकता के जुनून में खो रहा है मन

प्रकृति का मौन संवाद जीवन की सबसे बड़ी जरूरत

प्रकृति के साथ मौन संवाद का अर्थ जीवन से पलायन करना नहीं है। मनोवैज्ञानिक थकान की, तंत्रिका-तंत्र की निरंतर सतर्कता की बात करते हैं, जो हमें हमेशा सतर्क स्वरूप में रखती है, थका डालती है। मगर इन तकनीकी शब्दों के आने से बहुत पहले मनुष्य जानता था इसका इलाज। हम जंगलों, नदियों, पर्वतों की ओर जाते थे। प्रकृति की शांत उपस्थिति में मन की पकड़ ढीली पड़ने लगती है। सांसें गहरी होती हैं, अंतस में थोड़ी जगह बनती हुई महसूस होती है। दिन भर की चिंताएं, अधूरी बातें, अनकहे शब्द-जो कुछ भी बिखरा हुआ था, वह खुद को समेटने लगता है। प्रकृति कोई अपेक्षा नहीं रखती है। नदी हमारी राय नहीं मांगती। वह बस बहती रहती है। पंछी हमें किसी तरह का दिखावा करने को नहीं कहते। वे गाते हैं अपनी ही स्वाभाविक खुशी में। फूल खिलता है बिना तारीफ की प्रतीक्षा किए। बाहरी दबाव न हों, तो मन खुद ही चंगा होने लगता है, जैसे किसी घाव पर मरहम लगने से दर्द कम होने लगता है।

(चैतन्य नागर)

प्रकृति के साथ मौन संवाद का अर्थ जीवन से पलायन करना नहीं है। मनोवैज्ञानिक थकान की, तंत्रिका-तंत्र की निरंतर सतर्कता की बात करते हैं, जो हमें हमेशा सतर्क स्वरूप में रखती है, थका डालती है। हर संवाद में शब्द हों, यह जरूरी नहीं। कभी-कभी संवाद स्वयं के और दूसरे छोर पर जो है, उसके मौन के बीच एक तरह का अवलोकन होता है। ऐसा संवाद भाषा की सीमाओं को लांघकर अंतस की ऐसी गहराइयों तक पहुंचता है, जिसकी खबर भी नहीं लग पाती। प्रकृति के साथ कुछ इसी तरह का संवाद होता है। हम शोर के युग में जीते हैं, जहां हर पल कुछ न कुछ सुनाई देता है। सन्नाटा हमसे छीन लिया गया है। एकांत किसी शातिर चोर की सेंधमारी में लुट गया है। मन को कभी विश्राम नहीं मिलता। उसे बार-बार छेड़ा जाता है, उकसाया जाता है। जैसे तांगे से बंधे किसी थके हुए घोड़े को जबरदस्ती दौड़ाया जा रहा हो।

इस संस्कृति में उत्पादकता इतनी कीमती हो गई है कि स्थिरता को ही आलस्य समझ लिया गया है। चुपचाप बैठने को समय की आपराधिक बर्बादी कहा जाता है। मगर इस शोर के नीचे हमारा कोई आवश्यक और कीमती हिस्सा क्लांत होने लगता है। वह हिस्सा, जो सपनों से बना है, जो बचपन की यादों में छिपा है और जो बस सिर्फ प्रकृति की गोद में ही सांस लेता है। हम भूल गए हैं कि थकान केवल शरीर की नहीं, मन की भी होती है।

प्रकृति के साथ मौन संवाद का अर्थ जीवन से पलायन करना नहीं है। मनोवैज्ञानिक थकान की, तंत्रिका-तंत्र की निरंतर सतर्कता की बात करते हैं, जो हमें हमेशा सतर्क स्वरूप में रखती है, थका डालती है। मगर इन तकनीकी शब्दों के आने से बहुत पहले मनुष्य जानता था इसका इलाज। हम जंगलों, नदियों, पर्वतों की ओर जाते थे। प्रकृति की शांत उपस्थिति में मन की पकड़ ढीली पड़ने लगती है। सांसें गहरी होती हैं, अंतस में थोड़ी जगह बनती हुई महसूस होती है। दिन भर की चिंताएं, अधूरी बातें, अनकहे शब्द-जो कुछ भी बिखरा हुआ था, वह खुद को समेटने लगता है। प्रकृति कोई अपेक्षा नहीं रखती है। नदी हमारी राय नहीं मांगती। वह बस बहती रहती है। पंछी हमें किसी तरह का दिखावा करने को नहीं कहते। वे गाते हैं अपनी ही स्वाभाविक खुशी में। फूल खिलता है बिना तारीफ की प्रतीक्षा किए। बाहरी दबाव न हों, तो मन खुद ही चंगा होने लगता है, जैसे किसी घाव पर मरहम लगने से दर्द कम होने लगता है।

जो कुछ भी अतिरिक्त है वह इस मौन संवाद में घुल जाता है। बस आवश्यक बचा रह जाता है। अचानक महसूस होता है कि हमारा मानसिक शोर कितना अनावश्यक है, बेहोशी के क्षणों में बटोर लिया गया है, साझी विरासत में मिला गया है- दूसरों की अपेक्षाएं, समाज की अंधाधुंध भाग-दौड़, खुद से गढ़ी हुई कहानियां- कितना बोझ है इनमें। प्रकृति के साथ मौन संवाद में कुछ ऐसा सुनाई पड़ता है, जो सूक्ष्म और महीन है। एक झीनी-सी आंतरिक स्पष्टता दिखती है, जो अनावश्यक जिम्मेदारियों के नीचे कहीं दब गई थी। यह बचपन में हमारे पास थी, जब हम बिना किसी कारण खिलखिलाते थे, शोर से सहम जाते थे, द्वेष से मुक्त थे। जब मन निर्मल था, नकारात्मकता से मुक्त था।

मौन में प्रकृति हमारा मनोरंजन नहीं करती, वह हमारे भीतर छिपे सच को सामने लाती है। हवा में कांपता पत्ता हमारी क्षणभंगुरता का आईना बन जाता है। हम भी वैसे ही हैं, जैसी ये पत्तियां! पर्वत की स्थिरता हमारे निरंतर संघर्ष की व्यर्थता दिखाती है। भागते-हांफते इंसान पर वे एक मूक बयान हैं। कुदरत के साथ ये शांत मुलाकातें भावुक नहीं, परिवर्तनकारी होती हैं। वे अपमान किए बगैर विनम्रता सिखाती हैं, स्वामित्व का भाव जताए बिना संबंधित होने का अर्थ समझाती हैं। बगैर डांट-डपट के शिष्टता सिखाती हैं। इस मौन संवाद में थोड़ा बैठें, तो एक गहरे संबंध का बोध होता है- वृक्ष केवल फर्नीचर बनाने वाला काठ नहीं रहता, नदी केवल उपयोगी पानी नहीं रह जाती, जंगल केवल संसाधन नहीं रहता। प्रकृति के साथ परिचय हमें सबकी परवाह करना सिखाता है। यह गहरा जुड़ाव बौद्धिक जानकारी से नहीं, प्रकृति की शांत उपस्थिति से जन्म लेता है।

हमारा पर्यावरणीय संकट केवल तकनीकी नहीं, बल्कि संबंध की विफलताएं हैं, यह याद रखना जरूरी है। हमने कुदरत का शोषण करना सीख लिया है, पर उसे सुनना भूल गए। हम जंगल काटते हैं बगैर प्रकृति की सांस को महसूस किए। नदियों में जहर डालते हैं, बिना उनकी पीड़ा समझे। प्रकृति का मौन सान्निध्य इन दूरियों को कम करता है। यह याद दिलाता है कि धरती मानवीय महत्त्वाकांक्षाओं की युद्धभूमि नहीं, बल्कि एक जीती-जागती, सुंदर वास्तविकता है और हम उसका अभिन्न हिस्सा हैं। हमारी सांसें उसके साथ जुड़ी हैं, हमारा रक्त, मांस-मज्जा उससे ही बना है।

इस मूक संवाद के लिए कुछ सरल अभ्यास उपयोगी हो सकते है। हमें दुर्गम तीर्थयात्राओं की जरूरत नहीं। एक पार्क की बेंच, आकाश का नन्हा-सा टुकड़ा, सुबह का शांत बरामदा ही काफी है। हम थोड़ी देर के लिए छोटी-बड़ी स्क्रीन छोड़ दें। बैठें। अपनी तस्वीरें न लें, सोशल मीडिया में न उलझें। सुबह पक्षियों की आवाजें सुन लें। बोरियत आती है, तो उसे आने-जाने दें। धीरे-धीरे कुछ बदलने लगता है।

संक्षिप्त समाचार

अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ः तेंदुए की खाल तस्करी में 9 आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर। बलरामपुर–रामानुजगंज जिले के वाड्रफनगर क्षेत्र में वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतर्राज्यीय वन्यजीव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया है। संयुक्त टीम ने तेंदुए की खाल के साथ 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। यह कार्रवाई वन्यजीव अपराध नियंत्रण ब्यूरो (मध्य क्षेत्र भोपाल), राज्य उड़नदस्ता दल रायपुर एवं वनमंडल बलरामपुर की संयुक्त टीम द्वारा की गई। यह अभियान छत्तीसगढ़ शासन के वन मंत्री केदार कश्यप के निर्देशन एवं वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। दिनांक 2 अप्रैल 2026 को मुखबिर की सूचना पर टीम ग्राम जमई (थाना बसंतपुर) के जमई मोड़ के पास गश्त कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार दो संदिग्ध व्यक्तियों को रोककर तलाशी ली गई। उनके पास से एक तेंदुए की खाल बरामद हुई। पूछताछ में अन्य साथियों की जानकारी मिलने पर टीम ने अलग–अलग स्थानों पर दबिश देकर कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के पास से कुल 2 नग तेंदुए की खाल जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपियों में झारखंड, उत्तरप्रदेश और छत्तीसगढ़ के निवासी शामिल हैं। सभी आरोपियों ने पूछताछ में अपराध स्वीकार किया है। मामले में परिसर रक्षक जमई द्वारा वन अपराध प्रकरण क्रमांक 22289/09, दिनांक 02.04.2026 को दर्ज किया गया। आरोपियों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 की विभिन्न धाराओं—धारा 9, 39, 48(क), 50, 51 एवं 52 के तहत कार्रवाई की गई है। उल्लेखनीय है कि भारतीय तेंदुआ अनुसूची–1 के तहत संरक्षित वन्यप्राणी है, जिसकी तस्करी गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। सभी आरोपियों को 3 अप्रैल 2026 को न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी वाड्रफनगर के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वन विभाग ने बताया कि प्रकरण की विवेचना जारी है और इस गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। साथ ही, वन्यजीव अपराधों पर सख्ती से कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है।

हाथियों के हमले में 14 वर्षीय किशोरी की दर्दनाक मौत, क्षेत्र में दहशत

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के रामानुजगंज–रामचंद्रपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम चिनिया के चिनिया मोड़ में एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। जंगली हाथियों के हमले में 14 वर्षीय किशोरी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जिससे पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिंकी कुमारी (उम्र 14 वर्ष), पिता बंबइया, निवासी बरदरिया, अपने रिश्तेदारों के यहां ग्राम चिनिया आई हुई थी। शनिवार सुबह करीब 6 बजे वह जंगल में महुआ चुनने गई थी। इसी दौरान करीब 22 हाथियों के झुंड ने उस पर अचानक हमला कर दिया। हमले में किशोरी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के समय पास में मौजूद महावीरगंज का एक व्यक्ति किसी तरह भागकर अपनी जान बचाने में सफल रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हाथियों का दल पिछले तीन दिनों से क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर रहा था, जिससे पहले से ही ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि ब्रह्मदेव सिंह और सुदामा यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। वहीं वन विभाग की टीम भी तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और स्थिति का जायजा लेते हुए आवश्यक कार्रवाई शुरू की। वन विभाग ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रामानुजगंज अस्पताल भेज दिया है। इस घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जंगल क्षेत्रों में हाथियों की बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए सुरक्षा के ठोस इंतजाम किए जाएं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने Q1 (जनवरी-मार्च) 2026 में अब तक की सबसे अधिक तिमाही बिक्री दर्ज

स्कोडा ऑटो इंडिया ने 2026 में भी अपनी मजबूत विकास गति को जारी रखते हुए Q1 (जनवरी–मार्च) में 20,028 यूनिट्स की बिक्री के साथ अब तक की सबसे अधिक तिमाही बिक्री दर्ज की है। यह पिछले वर्ष की समान अवधि में बेची गई 17,138 कारों की तुलना में 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। 2025 के ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद, स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी विकास गति को बनाए रखा है और लगातार नए रिकॉर्ड स्थापित कर रही है, जिससे भारतीय बाजार में इसकी पकड़ और मजबूत हो रही है। स्कोडा ऑटो इंडिया के प्रदर्शन को स्कोडा काइलैक की मजबूत और लगातार मांग ने प्रमुख रूप से आगे बढ़ाया है, जिसने हाल ही में 50,000 बिक्री का आंकड़ा पार किया है। इसके साथ ही नए स्कोडा कुशाक की शुरुआत, स्कोडा स्लाविया का स्थिर योगदान, और प्रीमियम SUV सेगमेंट में स्कोडा कोडिएक की निरंतर मांग ने भी इस वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, आशीष गुप्ता, ब्रांड डायरेक्टर, स्कोडा ऑटो इंडिया ने कहा, 2026 में अपनी अब तक की सबसे बड़ी तिमाही के साथ विकास की इस तेज़ रफ्तार को जारी रखना पिछले एक वर्ष में बनाए गए हमारे मजबूत आधार का प्रमाण है।

भाजपा महामाया मंडल का दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान वर्ग सफलता पूर्वक संपन्न

■ अम्बिकापुर में संगठनात्मक कौशलों पर केंद्रित 8 सत्रों का आयोजन, कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया समापन उद्बोधन तो जिलाध्यक्ष सिसोदिया ने अध्यक्षता की

अम्बिकापुर। भारतीय जनता पार्टी के महामाया मंडल द्वारा आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान वर्ग उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस प्रशिक्षण में कुल 8 सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें संगठनात्मक विषयों, कार्य पद्धति एवं भाजपा की वैचारिक नींव पर गहन चर्चा हुई। समापन सत्र की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने की। मुख्य वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने शिरकत की। वरिष्ठ नेता मेजर अनिल सिंह, महापौर मंजूषा भगत एवं सूरजपुर जिला के पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल गोयल विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। संबोधन में कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांतों पर आधारित यह प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं को मजबूत संगठन निर्माण की दिशा में प्रेरित करेगा। हमें ग्राम–स्तरीय कार्यों से लेकर राष्ट्रीय लक्ष्यों तक पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करना होगा। भाजपा का प्रत्येक सदस्य राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित होकर 'संकल्प से सिद्धि' की ओर अग्रसर बने। जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि यह महाभियान वर्ग मंडल स्तर पर कार्यकर्ताओं के कौशल वृद्धि का महत्वपूर्ण कदम है। संगठन की मजबूती के लिए हमें निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। आने वाले समय में इन प्रशिक्षित कार्यकर्ता सरगुजा जिले को विकास के नए आयाम प्रदान करेंगे। मंडल अध्यक्ष मनोज कंसारी ने स्वागत भाषण दिया। सभी सत्रों का संचालन मंडल महामंत्री संजीव वर्मा एवं निरंजन राय ने कुशलतापूर्वक किया। इस अवसर पर जिला महामंत्री विनोद हर्ष, जिला उपाध्यक्ष एवं पार्षद विकास पांडेय, मधु चौदाहा, निश्चल प्रताप सिंह, जन्मेजय मिश्रा, राकेश, श्वेता गुप्ता, आकाश गुप्ता, शशिकांत जायसवाल, शिवमंगल सिंह, जितेन सोनी, आलोक दुबे, प्रियंका गुप्ता, विकास गुप्ता, निशांत सिंह, शुभांगी बिहारी, प्रियंका चौबे, सरिता जायसवाल, अविनाश मंडल, सरिता मिश्रा, अल्पना मिश्रा, रवि विश्वकर्मा, जतिन परमार, नंदकिशोर ताम्रकार, पुष्पेंद्र शर्मा, भूपेंद्र सिंह, सतीश सिंह, अविनाश कुशवाहा, सतीश शर्मा, धर्मेंद्र द्विवेदी, मनीष सिंह, सतीश मिश्रा, सिकंदर जायसवाल, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, सुधांशु चौबे, सत्यम सिंह, अजय सारथी, रीना राय सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिव महापुराण कथाः जीवन को दिशा देने वाली दिव्य प्रेरणा : पंडित दुर्गेश महाराज हांफा में चल रहा शिव महापुराण की कथा

बिलासपुर । तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के सकरी । राष्ट्रीय धर्माचार्य पंडित दुर्गेश शर्मा ने शिव महापुराण के महात्म्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि शिव महापुराण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नही बल्कि जीवन को सही दिशा देना वाली प्रेरणादायक मार्गदर्शिका है।इसमें आध्यात्मिक गहराई और जीवनउपयोगी संदेशों का अद्भुत संगम देखने को मिलता है। भगवान शिव की महिमा, उनके स्वरूप, भक्ति, धर्म एवं मोक्ष प्राप्ति का मार्ग है।शिव महापुराण का श्रवण करने से मनुष्य के जीवन में सुख, शांति,समृद्धि एवं आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। शिव महापुराण में मनुष्य को सत्य, धर्म, दया, करुणा, सेवा एवं परोपकार जैसे गुणों को अपनाने की शिक्षा दी गई है। यह ग्रंथ हमें सिखाता है कि

भगवान शिव अत्यंत दयालु एवं कृपालु है और सच्चे मन से की गई भक्ति से वे शीघ्र प्रसन्न हो जाते है। पंडित दुर्गेश जी ने कथा प्रसंग में यह बताया कि जो व्यक्ति अपने जीवन में माता – पिता, गुरु एवं समाज के प्रति सम्मान रखता है, उनके जीवन की सभी बाधाएं दूर हो जाती है। शिव महापुराण का श्रवण करने से मनुष्य के मन में सकारात्मक विचार उत्पन्न होते है, पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। ग्राम हांफा में शिव महापुराण की कथा श्रीमती कृष्णा पाण्डेय द्वारा पंडित छेदीलाल पाण्डेय की पुण्य स्मृति में आयोजित किया गया है। मुख्य यजमान के रूप में श्रीमती मीना कृष्ण कुमार दुबे कथा श्रवण कर रहे है।आज के कथा में श्रोतागण डॉ महेंद्र दुबे, चंद्रकांत उपाध्याय, मनीराम यादव, शत्रुघ्न उपाध्याय, रामखिलावन कौशिक, कौशल पाण्डेय, गोविंद यादव, मुकेश दुबे, श्यामसुंदर तिवारी,दिनेश उपाध्याय, बृजभूषण श्रीवास, संतोष पाण्डेय, शिव श्रीवास, कविता दुबे, गौरी दुबे, आशा श्रीवास, चित्रा तिवारी, बंटी कौशिक सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। निकली आकर्षक झांकी : कथा प्रसंग के दौरान भगवान शिव की आकर्षक झाकी निकाली गई।

भाजपा किसान मोर्चा मंडल कार्यकारिणी घोषित राजीव कश्यप बनाए गए मंडल महामंत्री कार्यकर्ताओं में हर्ष

लुण्ड्रा । भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलोक सिंह ठाकुर एवं सरगुजा बीजेपी के जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के निर्देशानुसार तथा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष अनिल निराला के सहमति एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष सतीश जायसवाल की अनुशंसा पर लुण्ड्रा मंडल अध्यक्ष अरविंद गुप्ता ने किसान मोर्चा मंडल कार्यकारिणी की घोषणा की जिसमें राजीव कश्यप को भारतीय जनता किसान मोर्चा मंडल लुण्ड्रा का महामंत्री नियुक्त किया गया है . । एवं उपाध्यक्ष मुकेश कश्यप भानु प्रताप यादव विजय पटेल भुनेश्वर सिंह बैसाखु प्रधान दुसरा महामंत्री अभिषेक उपाध्याय तथा मंत्री हरिहर साय भोठर राम प्रभु कजूर जीतू राम नागेश सुनील गुप्ता कोषाध्यक्ष लोभन राम पैकरा सहकोषाअध्यक्ष शिवनारायण दास

कार्यालय प्रभारी प्यारेलाल गुप्ता सहप्रभारी रविशंकर यादव संवाद प्रमुख जंग साय नगेशिया सह संवाद प्रमुख उमेश पैकरा मीडिया प्रभारी नंदकिशोर पैकरा सहमीडिया प्रभारी हीराचंद यादव तथा मन की बात प्रभारी तिलक सिंह सह प्रभारी संतलाल भगत बनाए गए हैं । राजीव कश्यप ने इस जिम्मेदारीपूर्ण दायित्व के लिए भारतीय जनता पार्टी मंडल लुण्ड्रा के बुथ से लेकर मंडल स्तर तक सभी श्रेष्ठ ज्येष्ठ कनिष्ठ व मित्रों सहित सभी जिला नेतृत्व पदाधिकारीयों कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया है। राजीव कश्यप ने कहा कि वे पार्टी की नीति रिति सिद्धांत एवं किसान हित से जुड़ी योजनाओं को जन–जन तक पहुँचाने तथा किसानों की समस्याओं को संगठन के माध्यम से शासन–प्रशासन तक उठा उचित समाधान कराने का कार्य पूरी निष्ठा से करेंगे एवं पार्टी द्वारा दिए गए दायित्व पर पूरी ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए संगठन व पार्टी को आगे बढाते हुए जिस उम्मीद व आशा से उन्हे यह दायित्व संगठन व पार्टी द्वारा सोपीं गई है उस पर खरा उतरने पूरा प्रयास सभी के सहयोग व आशीर्वाद से करेंगे।विदित हो कि राजीव कश्यप लगातार दो बार भाजयुमों महामंत्री एक बार भारतीय मजदूर महासंघ महामंत्री एवं वर्तमान में पिछले 12 वर्षों से मंडल संवाद प्रमुख का दायित्व सक्रियतापूर्वक निर्वहन कर रहे हैं वर्तमान में वे मन के बात के मंडल संयोजक भी है ।

कोरबा जिले में मनरेगा के तहत नवा तरिया आय के जरिया अभियान शुरू

कोरबा। जिले में जल संरक्षण एवं ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने के उद्देश्य से नवा तरिया आय के जरिया अभियान की शुरुआत की गई है। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री दिनेश कुमार नाग ने जिला पंचायत सभागार में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना,राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा विभिन्न लाइन विभागों की संयुक्त समीक्षा बैठक ली। बैठक में सीईओ श्री नाग ने जल संरक्षण एवं जल संवर्धन संरचनाओं के निर्माण को प्राथमिकता देते हुए नवीन तालाबों (तरिया) के निर्माण तथा उनसे जुड़े आजीविका गतिविधियों को विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजनाओं के बेहतर अभिसरण से ग्रामीणों की आय में वृद्धि सुनिश्चित की जा सकती है। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य, मनरेगा, एनआरएलएम एवं बी आर एल एफ की कर्मदक्ष टीम के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। मोर गांव, मोर पानी, नवा तरिया आय के जरिया अभियान को राज्य शासन की मंशा के अनुरूप प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। सीईओ ने नवीन तालाबों के मेड़ों पर आजीविका गतिविधियों जैसे मछली पालन, उद्यानिकी एवं कृषि आधारित कार्यों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया। साथ ही अभियान से संबंधित ऑडियो संदेश का व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीण इस पहल से जुड़ सकें।

पंचायत स्तरीय रात्रि कालीन क्रिकेट के फाइनल प्रतियोगिता में,बिनकरा टीम ने मारी बाजी.........

सरगुजा। सरगुजा जिले लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम बिनकरा पंचायत स्तरीय रात्रि कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का में फाइनल महा मुकाबला ग्राम बिनकरा और लखनपुर टीम के मध्य खेला गया। रात्रि कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस सदस्य विक्रमादित्य सिंहदेव,ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अमित सिंहदेव , रणविजय सिंहदेव ,पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि वीरेंद्र सिंहदेव , युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष और जनपद सदस्य प्रतिनिधि भानु राजवाड़े, जनपद सदस्य नीतू धर्मेंद्र झरिया कोरजा सरपंच कलावती सुखसाय पोर्ते , बिनकरा सरपंच प्रीति मनोज श्याम ,बगदरी सरपंच अजय श्याम , उपसरपंच बालचंद राजवाड़े, उपस्थित रहे। अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया गया। तत्पश्चात फाइनल मुकाबला बिनकरा और लखनपुर के मध्य खेला गया। बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुए बिनकरा के टीम ने फाइनल मुकाबले में

विजेता घोषित हुए वहीं लखनपुर उपविजेता, इस दौरान उपस्थित अतिथियों के द्वारा विजेता टीम को 71हजार एवं शील्ड वहीं उपविजेता टीम को 31हजार एवं शील्ड करके सम्मानित किया गया, इस दौरान उपस्थित अतिथियों के द्वारा उपस्थित लोगों को संबोधित भी किया गया इस दौरान सचिव विकास राजवाड़े, सुभाष चंद्र राजवाड़े, लोकनाथ राजवाड़े, बेलाश राजवाड़े, लखन राजवाड़े, रामावतार राजवाड़े, आशुतोष मिश्रा सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

मोर गांव मोर पानी महाअभियान अंतर्गत धंधापुर में चौपाल का आयोजन संपन्न.....

■ नवा तरिया आय के जरिया के माध्यम से ग्रामीण आजीविका संवर्धन को मिलेगा बढ़ावा जल संरक्षण और रोजगार सृजन अवसरों की दी गई विस्तृत जानकारी

बलरामपुर। बलरामपुर जिले से कलेक्टर राजेंद्र कटारा एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जिले के विकासखण्ड राजपुर अंतर्गत मोर गांव मोर पानी महाअभियान के तहत ग्राम पंचायत धंधापुर में जल संरक्षण, भूजल रिचार्ज एवं आजीविका संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मनरेगा एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के समन्वय से नवा तरिया आय के जरिया अभियान के अंतर्गत संपन्न हुआ। चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों एवं स्व–सहायता समूह की महिलाओं को नवा तरिया के माध्यम से आय अर्जन के विभिन्न उपायों की जानकारी दी गई। चौपाल में लोगो को बताया गया कि समूह आधारित गतिविधियों को अपनाकर ग्रामीण परिवार अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकते हैं। नवा तरिया के माध्यम से मछली पालन, बत्तख पालन, सिंघाड़ा की खेती, तरिया के मेड़ पर सब्जी उत्पादन तथा फलदार वृक्षारोपण कर अतिरिक्त आय अर्जित की जा सकती है।

इससे जल संरक्षण के साथ ग्रामीणों को वर्षभर रोजगार के अवसर भी प्राप्त होंगे। साथ ही बताया गया कि खरीफ फसल के बाद रबी एवं जायद फसलों के लिए सिंचाई जल की उपलब्धता सुनिश्चित होने से किसानों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी और उनकी आय में निरंतर बढ़ोतरी संभव होगी। इस दौरान जनपद सीईओ श्री संजय कुमार दुबे, जिला एपीओ संजय यादव, कार्यक्रम अधिकारी मानसाय सिदार, तकनीकी सहायक आशुतोष सहित एनआरएलएम टीम एवं इंडियन ग्रामीण सर्विसेज की टीम ने स्थल का निरीक्षण किया। टीम द्वारा नवा तरिया निर्माण के लिए उपयुक्त स्थान का चयन करते हुए आगामी मई माह तक कार्य पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने जल संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए सामुदायिक सहभागिता से स्थायी विकास सुनिश्चित करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नवा तरिया जैसी पहलें जल संकट के समाधान के साथ–साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। और सामूहिक प्रयासों से गांवों में स्थायी विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। इस अवसर पर चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, स्व–सहायता समूह की महिलाएं एवं संबंधित विभागों के अधिकारी–कर्मचारी उपस्थित रहे।

रायगढ़ में अंतर्राज्यीय बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, बाइक जब्त,आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। जिले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अंतर्राज्यीय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़ किया है। साइबर थाना और पूंजीपथरा पुलिस की संयुक्त टीम ने इस ऑपरेशन में मुख्य आरोपी सुखदेव चौहान को गिरफ्तार किया है, जबकि उसका साथी शिव नागवंशी अब भी फरार बताया जा रहा है।पुलिस ने चोरी की बाइक खरीदने वाले 9 अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 21 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई जा रही है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में चलाए गए अभियान के तहत संपत्ति संबंधी अपराधों पर निगरानी बढ़ाई गई थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए गिरोह का खुलासा किया गया।जांच में सामने आया कि आरोपी जुलाई 2025 से मार्च 2026 के बीच रायगढ़ और ओडिशा के भीड़भाड़ वाले इलाकों से बाइक चोरी करते थे। वे पेचकस जैसे औजारों से लॉक तोड़कर वाहन चोरी करते और सुनसान स्थानों पर छिपाने के बाद उन्हें सस्ते दामों में बेच देते थे।पूछताछ में यह भी पता चला कि आरोपी पेशे से ड्राइवर हैं और उन्हें वाहन मरम्मत की अच्छी जानकारी है, जिसका फायदा उठाकर वे चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे।

संक्षिप्त समाचार

27 मिलियन डॉलर की ठगी में चीनी नागरिक दोषी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक बड़े ऑनलाइन ठगी मामले में चीनी नागरिक जियानडोंग चेन ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। यह घोटाला करीब 27 मिलियन डॉलर (करीब 220 करोड़ रुपये) का है और इसमें लगभग 2,000 लोगों को निशाना बनाया गया। जांच में सामने आया कि इस ठगी में भारत के कॉल सेंटर भी शामिल थे। ठग लोग बुजुर्गों को फोन, ईमेल और फर्जी पॉप-अप के जरिए फंसाते थे। वे खुद को बैंक या सरकारी अधिकारी बताकर लोगों का भरोसा जीतते और फिर उनके कंप्यूटर तक पहुंच बना लेते थे। इसके बाद पीड़ितों को नकद पैसे भेजने के लिए कहा जाता था। आरोपी फर्जी आईडी का इस्तेमाल कर इन पैसों को हासिल करते थे। यह पूरा नेटवर्क कई देशों में फैला हुआ था। चेन को इस मामले में 40 साल तक की सजा हो सकती है, साथ ही मनी लॉन्ड्रिंग के लिए अलग से 20 साल की सजा का भी प्रावधान है।

क्यूबा में कैदियों की रिहाई, लेकिन उठे सवाल

हवाना, एजेंसी। क्यूबा सरकार ने करीब 2,000 कैदियों को रिहा करने का फैसला किया है, जिसे मानवीय कदम बताया जा रहा है। रिहाई के बाद कई परिवारों में खुशी का माहौल है। लोग अपने परिजनों से वर्षों बाद मिलकर भावुक हो गए। हालांकि, मानवाधिकार संगठनों ने इस फैसले पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यह साफ नहीं है कि रिहा किए गए लोगों में कितने राजनीतिक कैदी शामिल हैं। कई संगठनों का आरोप है कि क्यूबा सरकार असली मुद्दे को छिपा रही है और राजनीतिक कैदियों को लेकर पारदर्शिता नहीं दिखा रही। इस बीच, अमेरिका और क्यूबा के बीच तनाव भी बढ़ा हुआ है। ट्रंप प्रशासन ने क्यूबा पर तेल आपूर्ति को लेकर दबाव बनाया है, जिससे देश में बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं पर असर पड़ा है। विशेषज्ञों का मानना है कि कैदियों की रिहाई एक सकारात्मक कदम है, लेकिन जब तक राजनीतिक कैदियों को पूरी आजादी नहीं मिलती, तब तक इसे बड़ा बदलाव नहीं माना जा सकता।

दुबई में गुरु नानक दरबार गुरुद्वारा पर लगा ताला! सुरक्षा कारणों के चलते लिया गया फैसला

दुबई , एजेंसी। दुबई से एक बड़ी खबर सामने आई है। यहां पर सुरक्षा कारणों और सरकारी गाइडलाइंस के बाद, गुरु नानक दरबार गुरुद्वारा साहिब को अगले आदेश तक कुछ समय के लिए बंद कर दिया गया है। गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी की ओर से जारी एक ऑफिशियल बयान में कहा गया है कि यह फैसला लोकल अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार, संगत और स्टाफ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। मैनेजमेंट ने पूरी संगत से इस मुश्किल समय में सहयोग करने और स्थिति को समझने की अपील की है। अचानक हुए लॉकडाउन ने इस इलाके के इस प्रमुख सिख धार्मिक स्थल पर रोज़ाना होने वाले धार्मिक कार्यक्रमों और जमावड़ों पर असर डाला है। मैनेजमेंट ने संगत से अपील की है कि वे ज़्यादा जानकारी और अपडेट के लिए गुरुद्वारा साहिब के ऑफिशियल चैनलों से जुड़े रहें।

अमेरिका को पीछे हटने को मजबूर करो', ईरान की कड़ी चेतावनी; यूएस ठिकानों पर बड़ी कार्रवाई का एलान

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव एक बार फिर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। ईरान ने अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर उसके खिलाफ किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई की गई, तो उसका जवाब पहले से कहीं ज्यादा करारा और विनाशकारी होगा। ईरानी सशस्त्र बलों के केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता इब्राहिम ज़ोल्फाघारी ने शनिवार को बयान जारी कर कहा कि अमेरिका के हालिया बयानों और धमकियों को हल्के में नहीं लिया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाएगा। ईरान ने सिर्फ अमेरिकी सैन्य ठिकानों ही नहीं, बल्कि उन देशों को भी चेतावनी दी है जो अपने यहां अमेरिकी सैन्य बेस की अनुमति देते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि ऐसे देशों को अमेरिका को अपने क्षेत्र से बाहर करने के लिए कदम उठाने चाहिए, अन्यथा उन्हें भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बनीं भारतीय मूल की रिनी संपत, रचा नया इतिहास

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजनीति में भारतीय मूल के लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है। इसी कड़ी में रिनी संपत ने इतिहास रचते हुए वॉशिंगटन डीसी मेयर चुनाव के बैलेट में जगह बना ली है। वह इस पद के लिए बैलेट तक पहुंचने वाली पहली दक्षिण एशियाई उम्मीदवार बन गई हैं। तमिलनाडु के थेनी में जन्मी रिनी संपत बचपन में ही अमेरिका चली गई थीं। उन्होंने बताया कि यह उपलब्धि सिर्फ उनके लिए नहीं, बल्कि पूरे दक्षिण एशियाई समुदाय के लिए गर्व का पल है।

अमेरिकन ड्रीम से राजनीति तक का सफर: रिनी ने कहा कि वह सात साल की उम्र में अमेरिकन ड्रीम को पूरा करने के लिए अमेरिका आई थीं। अब उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यह सपना वॉशिंगटन डीसी के हर नागरिक के लिए हकीकत बने। उनके अभियान के मुताबिक, 4,500 से ज्यादा लोगों ने उनके समर्थन में हस्ताक्षर किए, जिसके बाद उन्हें आधिकारिक तौर पर बैलेट में जगह मिली।

मुद्दों पर आधारित चुनावी एजेंडा : 31 वर्षीय रिनी संपत पिछले एक दशक से वॉशिंगटन डीसी में रह रही हैं और एक सरकारी ठेकेदार के रूप में काम कर चुकी हैं। उनका चुनावी एजेंडा शहर की बुनियादी समस्याओं को सुधारने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि अगर वह मेयर बनती हैं, तो सड़कों की मरम्मत, सीवर और जल निकासी समस्याओं का समाधान, 911 सेवाओं में सुधार और महंगाई को कम करना उनकी प्राथमिकता होगी।

सिस्टम पर उठाए सवाल: रिनी संपत ने मौजूदा प्रशासन पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि शहर की बुनियादी सेवाएं लगातार कमजोर हो रही हैं। उन्होंने हाल की बर्फबारी का जिक्र करते हुए कहा कि सड़कों और फुटपाथों की हालत खराब हो गई थी और कचरा प्रबंधन भी बिगड़ गया था। उन्होंने खुद को एक आउटसाइडर उम्मीदवार बताते हुए कहा कि वह पारंपरिक राजनीति से अलग हैं और किसी बड़े राजनीतिक समूह का समर्थन उन्हें नहीं मिला है। उनका मानना है कि शहर को नई सोच और जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेतृत्व की जरूरत है।

भारतीय जड़ों से प्रेरणा : रिनी ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, खासकर अपने दादा और पिता को दिया। उन्होंने कहा कि भारत से मिले संस्कार और परिवार की प्रेरणा ही उन्हें सार्वजनिक सेवा के लिए आगे बढ़ने की ताकत देती है। रिनी संपत की उम्मीदवारी अमेरिका में भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदाय की बढ़ती राजनीतिक भागीदारी को दर्शाती है। हाल के वर्षों में इस समुदाय की उपस्थिति कांग्रेस और राज्य स्तर पर बढ़ी है, लेकिन बड़े शहरों के मेयर चुनाव में यह अभी भी कम देखने को मिलती है।

अध्ययन: 2023 में बच्चों की कैंसर से 1.44 लाख मौतें, अकेले भारत में 17000 की गई जान

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। दुनिया में कैंसर से बच्चों की होने वाली 94 फीसदी मौतें और बीमारी के 85 फीसदी नए मामले कम और मध्यम आमदनी वाले देशों (एलएमआईसी) में सामने आए। यह खुलासा द लैंसेट जर्नल में छपे एक वैश्विक विश्लेषण में हुआ है। यह आंकड़ा दुनिया में स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और इलाज में बरती जा रही लगातार असमानता को दिखाता है। 2023 में कैंसर से भारत में 17,000, चीन में 16,000, नाइजीरिया और पाकिस्तान में लगभग नौ–नौ हजार मौतें हुई। रोगों, चोटों और जोखिम कारकों के वैश्विक भार का अध्ययन (जीबीडी) के आंकड़ों के विश्लेषण के मुताबिक, 2023 में विश्व स्तर पर बचपन के कैंसर के 3.77 लाख नए मामले और लगभग 1.44 लाख मौतें हुईं। शोधकर्ताओं के मुताबिक, दुनिया भर में बचपन के कैंसर से होने वाली मौतों में 1990 में 1.97 लाख से 27 फीसदी कम हो गई हैं, लेकिन अफ्रीका में 55.6 फीसदी बढ़ गई हैं।

बचपन का कैंसर बच्चों के मौत का आठवां प्रमुख कारण : शोधकर्ताओं के मुताबिक, 2023 में बचपन का कैंसर बच्चों में मौत का आठवां प्रमुख कारण रहा। निम्न–मध्यम सामाजिक–जनसांख्यिकीय सूचकांक वाले भारत जैसे देशों में यह सभी आयु वर्गों में कैंसर से मौत का 11वां बड़ा कारण रहा। यह बीमारी जीवन की गुणवत्ता को भी प्रभावित करती है। कैंसर 2023 में दुनिया के बाल विकलांगता–समायोजित जीवन वर्ष (डीएएलवाई) में 10वां सबसे बड़ा योगदानकर्ता भी है। एक डीएएलवाई का मतलब एक साल का स्वस्थ जीवन खोना है। शोध के लेखकों के मुताबिक, कैंसर 85.1 फीसदी नए मामले, 94.1 फीसदी मौतें और 94.1 फीसदी डीएएलवाई एलएमआईसी देशों में देखने को मिली।

रक्त कैंसर ने ली सबसे अधिक 45,900 जानें : सबसे ज्यादा मौतें ल्यूकेमिया यानी रक्त कैंसर (45,900) से हुई, इसके बाद दिमाग और तंत्रिका तंत्र के कैंसर (23,200) और नॉन–हॉजकिन लिम्फोमा (15,200) रहे। शोध की मुख्य लेखक लिसा फोर्स ने कहा कि अमीर देशों में इलाज बेहतर हुआ है, लेकिन गरीब देशों तक इसका फायदा नहीं पहुंचा।

अंतरिक्ष से चमकी पृथ्वी की खूबसूरती

आर्टेमिस के यात्रियों ने कैद किया अद्भुत नजारा, दिल छूने वाली तस्वीरें

केप कैनावेरल, एजेंसी। अमेरिका के नासा का बड़ा मिशन आर्टेमिस सेकंड इन दिनों इतिहास रच रहा है। करीब 50 साल बाद इंसानों को चांद की ओर ले जा रहे इस मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों ने अंतरिक्ष से पृथ्वी की बेहद खूबसूरत तस्वीरें भेजी हैं, जिसने सबको हैरान कर दिया है। इस मिशन के कमांडर रीड वाइजमैन ने जो पहली तस्वीर ली, उसमें पृथ्वी का एक घुमावदार हिस्सा कैप्सूल की खिड़की से नजर आता है। दूसरी तस्वीर में पूरी पृथ्वी दिखाई देती है, जिसमें नीले महासागर, सफेद बादलों की लहरें और यहां तक कि हरे रंग की ऑरोरा (उत्तरी रोशनी) भी चमकती दिख रही है। नासा के मुताबिक, ये नजारा अंतरिक्ष से बेहद शानदार और भावुक कर देने वाला था। नासा की अधिकारी लाकीशा हॉकिन्स ने कहा कि यह सोचकर ही रोमांच होता है कि इस तस्वीर में हमारे चार अंतरिक्ष यात्रियों को छोड़कर पूरी मानवता दिखाई दे रही है। उन्होंने बताया कि मिशन पूरी तरह से सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। फिलहाल यह टीम पृथ्वी से करीब 1.8 लाख किलोमीटर दूर पहुंच चुकी है और तेजी से चांद की ओर बढ़ रही है। अभी उन्हें करीब 2.4 लाख किलोमीटर और सफर तय करना है और वे सोमवार तक चांद के पास पहुंच जाएंगे।

पृथ्वी के आधे हिस्से पर दिन और आधे पर रात : इस मिशन में तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं। ये लोग अपने ओरियन कैप्सूल में चांद के चारों ओर घूमकर वापस पृथ्वी की ओर लौटेंगे। खास बात यह है कि वे चांद पर उतरेंगे नहीं, बल्कि एक यू–टर्न लेकर सीधे वापस आएंगे।

दिन ही नहीं रात में भी चमकती है पृथ्वी : कमांडर वाइजमैन ने एक इंटरव्यू में बताया कि जब उनके कैप्सूल की खिड़की से पूरी पृथ्वी नजर आई, तो वह पल इतना अद्भुत था कि चारों अंतरिक्ष यात्री कुछ देर के लिए चुप हो गए। उनके मुताबिक, यह उनकी जिंदगी के सबसे शानदार पलों में से एक था। बता दें कि, करीब 50 साल बाद इंसान फिर से चांद की तरफ जा रहा है। नासा के आर्टेमिस–सेकंड मिशन की सफल लॉन्चिंग हो गई है। इस मिशन के तहत चार अंतरिक्ष यात्री, रीड वाइसमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन, ओरियन कैप्सूल में बैठकर जा रहे हैं। आर्टेमिस–सेकंड भारतीय समयानुसार गुरुवार (2 अप्रैल 2026) सुबह 4:05 बजे फ्लोरिडा से सफलतापूर्वक लॉन्च हुआ। यह 10 दिन की यात्रा अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी से करीब 4.06 लाख किलोमीटर दूर तक ले जाएगी, जो अब तक की सबसे लंबी मानव अंतरिक्ष यात्रा मानी जा रही है। इस मिशन के तहत अंतरिक्ष यात्री चांद के करीब तक जाएंगे, लेकिन वहां उतरेंगे नहीं।

नाटो प्रमुख मार्क रुट्टे अगले सप्ताह वाशिंगटन में डोनाल्ड ट्रंप से करेंगे मुलाकात

वाशिंगटन , एजेंसी। उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के महासचिव मार्क रुट्टे 8 से 12 अप्रैल तक वाशिंगटन डीसी की यात्रा पर रहेंगे, जहां वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। यह जानकारी नाटो के प्रवक्ता द्वारा जारी एक बयान में दी गई है। प्रवक्ता ने बताया कि 8 अप्रैल को रुट्टे, ट्रंप, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के साथ बातचीत करेंगे। इस यात्रा में 9 अप्रैल को एक सार्वजनिक कार्यक्रम भी शामिल है, जिसमें रुट्टे द्वारा रोनाल्ड रीगन प्रेसिडेंशियल फाउंडेशन एंड इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित एक चर्चा में भाषण देने और भाग लेने की उम्मीद है।

यह यात्रा ट्रांस अटलांटिक गठबंधन के लिए एक महत्वपूर्ण समय पर हो रही है, क्योंकि ईरान से जुड़े संघर्ष के बीच ट्रंप की हालिया आलोचना के बाद तनाव बढ़ गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूरोपीय सहयोगियों के प्रति कड़ी असंतोष व्यक्त करते हुए नाटो पर अमेरिकी रणनीतिक उद्देश्यों का समर्थन करने के लिए पर्याप्त कदम न उठाने का आरोप लगाया है। ट्रंप ने तो यहां तक संकेत दिया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका 77 साल पुराने गठबंधन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार कर सकता है, जिससे नाटो के भविष्य को लेकर सदस्य देशों में चिंताएं बढ़ गई हैं। उन्होंने यूरोप में सैन्य ठिकानों तक अमेरिकी सैन्य पहुंच को प्रतिबंधित करने और होर्मुज स्ट्रेट जैसे महत्वपूर्ण वैश्विक मार्गों की सुरक्षा में नेतृत्व करने में रुचि नहीं दिखाने के लिए सहयोगी देशों की आलोचना की है। नाटो अधिकारियों ने पुष्टि की है कि 8 अप्रैल को रुट्टे और ट्रंप के बीच होने वाली आगामी बैठक पर बारीकी से नजर रखी जाएगी, क्योंकि यह भू-राजनीतिक अनिश्चितता के दौर में गठबंधन की दिशा तय कर सकती है।

ट्रंप के सत्ता में लौटने के बाद से कई संकटों के दौरान अमेरिकी नेता के साथ रचनात्मक संबंध बनाए रखने की उनकी क्षमता के कारण, नीदरलैंड के पूर्व प्रधानमंत्री रुट्टे को पर्यवेक्षकों द्वारा 'ट्रंप का सलाहकार' बताया गया है। उन्होंने लगातार तर्क दिया है कि ट्रंप के दबाव ने यूरोपीय देशों को रक्षा खर्च बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है, जिससे अंततः नाटो की क्षमताएं मजबूत हुई हैं। वाशिंगटन में होने वाली चर्चाओं में तेजी से अस्थिर होते वैश्विक वातावरण में गठबंधन की एकता, रक्षा प्रतिबद्धताओं और रणनीतिक समन्वय पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है।

पाकिस्तान में हिंदुओं पर फिर हमला, कराची में देवताओं की मूर्तियों को किया खंडित

कराची , एजेंसी। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों (हिंदुओं) को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। आर्थिक राजधानी कराची में एक ऐतिहासिक इमारत में भगवान कृष्ण और गोपियों की मूर्तियों को खंडित किया गया। पाकिस्तान के एक हिंदू सामाजिक कार्यकर्ता ने शुक्रवार को यह दावा किया है। पाकिस्तान दरवार इत्तेहाद के अध्यक्ष शिव कच्छी ने कहा कि कराची में ऐतिहासिक सगन मेसन भवन में मूर्तियों को खंडित करना बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा, 'हम इस शर्मनाक कृत्य की कड़ी निंदा करते हैं।' कच्छी ने बताया कि यह घटना दो दिन पहले हुई थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, 'यह केवल एक ढांचे को नुकसान पहुंचाना नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की बहुसांस्कृतिक विरासत, धार्मिक सद्भाव और अल्पसंख्यक समुदायों की भावनाओं पर हमला है।'

उन्होंने आगे कहा कि सरकार को इस घटना की जांच करनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए, क्योंकि इस कृत्य से हिंदू समुदाय को गहरा आघात पहुंचा है। उन्होंने कहा, 'दोषियों को बिना विलंब किए गिरफ्तार किया जाना चाहिए और उन्हें कड़ी सजा दी जानी चाहिए। इस ऐतिहासिक इमारत का तत्काल जीर्णोद्धार और संरक्षण सुनिश्चित किया जाना चाहिए। स्वतंत्रता–पूर्व काल में 1937 में निर्मित इस इमारत में हिंदू समुदाय की बहुमूल्य मूर्तियां और अन्य धार्मिक प्रतीक रखे हुए हैं। आपको बता दें कि हिंदुओं और मंदिरों पर हमले का यह कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी कई ऐसी घटना सामने आ चुकी है। भारत ने इस मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र जैसे आंतर्राष्ट्रीय मंचों पर कई बार पाकिस्तान को बेनकाब किया है और तीखे सवाल पूछे हैं।

ईरान की धमकी: बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को निशाना बनाने का संकेत, होर्मुज से आगे बढ़ सकती है समुद्री नाकाबंदी

तेहरान, एजेंसी। ईरान ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय शिपिंग के लिए महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर दबाव बढ़ाने की ओर इशारा किया है। ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि तेहरान अपने विरोधियों पर दबाव बढ़ाने के लिए बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्य को भी निशाना बना सकता है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब होर्मुज जलडमरूमध्य पर जारी समुद्री नाकाबंदी अंतरराष्ट्रीय शिपिंग पर गहरा आर्थिक और लॉजिस्टिक दबाव बना रही है। गालिबाफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कई सवाल पोस्ट करते हुए वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरियों को उजागर किया। उन्होंने इस जलमार्ग पर दुनिया की निर्भरता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि वैश्विक तेल, एलएनजी, गेहूं, चावल और उर्वरक शिपमेंट का कितना हिस्सा बाब अल–मंदेब जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है?

गालिबाफ का इशारा बढ़ा रहा दुनिया की चिंता : ईरानी संसद के अध्यक्ष ने आगे कहा कि कुछ देश और कंपनियां इस रणनीतिक कदम से विशेष रूप से प्रभावित हो सकती हैं। उन्होंने पूछा, 'किन देशों और कंपनियों का इस जलडमरूमध्य से गुजरने वाले शिपमेंट में सबसे अधिक हिस्सा है?' इससे यह संकेत मिलता है कि इस्लामिक गणराज्य अपने प्रभाव को अधिकतम करने के तरीकों का मूल्यांकन कर रहा है।

ईरान के जवाबी हमलों में नहीं आई कमी : यह समुद्री रणनीति युद्ध के मैदान पर बढ़ते तनाव के साथ मेल खाती है। ईरान और उसके सहयोगियों ने एक सतत जवाबी अभियान ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 के तहत हमलों क नई लहर शुरू कर दी है।

खुलासा: युद्ध में सबसे बड़ा विजेता डॉलर; वैश्विक अनिश्चितता में निवेशकों की पहली पसंद, 2 प्रतिशत से ज्यादा मजबूत

न्यूयॉर्क/लंदन, एजेंसी। अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने जहां वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता और जोखिम बढ़ाया है, वहीं इसका सबसे बड़ा लाभ अमेरिकी डॉलर को मिलता दिख रहा है। प्रमुख अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संकेतकों जैसे डॉलर इंडेक्स (डीएक्सवाई), यूरो, पाउंड, येन, युआन और भारतीय रुपए की चाल के विश्लेषण से संकेत मिलता है कि युद्ध शुरू होने के बाद डॉलर में लगभग 2 प्रतिशत से अधिक की मजबूती दर्ज की गई है, जबकि अन्य प्रमुख मुद्राएं कमजोर हुई हैं।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा बाजार के डेटा जैसे इंटरकॉन्टिनेंटल एक्सचेंज के डॉलर इंडेक्स और ब्लूमबर्ग,रॉयटर्स के फॉरेक्स ट्रैकर्स के अनुसार हालिया सप्ताहों में डॉलर इंडेक्स में करीब 2-2.5 तक की बढ़त देखी गई है। इसी

अवधि में यूरो में लगभग 2-3 की गिरावट, ब्रिटिश पाउंड में करीब 1.5-2 की कमजोरी, जापानी येन में लगभग 1-2 की गिरावट और चीनी युआन में भी सीमित लेकिन स्पष्ट दबाव दर्ज किया गया है। भारतीय रुपया भी डॉलर के मुकाबले लगभग 2-2.5 तक कमजोर हुआ है।

हालांकि, विभिन्न प्लेटफॉर्म पर प्रतिशत में मामूली अंतर संभव है, लेकिन व्यापक ट्रेंड एक ही दिशा में हैं डॉलर मजबूत और बाकी मुद्राएं दबाव में।विशेषज्ञों के अनुसार इसके पीछे सबसे बड़ा कारण रिस्क-ऑफ सेंटिमेंट है। जब भी वैश्विक स्तर पर युद्ध या भू-राजनीतिक संकट गहराता है, निवेशक जोखिम भरे बाजारों जैसे उभरती अर्थव्यवस्थाएं और शेयर बाजार से पैसा निकालकर सुरक्षित माने जाने वाले अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड और डॉलर-आधारित परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं। फेडरल रिजर्व की अपेक्षाकृत सख्त मौद्रिक नीति और अमेरिकी अर्थव्यवस्था की मजबूती भी डॉलर को अतिरिक्त समर्थन देती है। ईरान और पश्चिम एशिया से जुड़े तनाव का सीधा असर वैश्विक तेल आपूर्ति और कीमतों पर पड़ता है। चूंकि कच्चे तेल का वैश्विक व्यापार मुख्यतः डॉलर में होता है, इसलिए तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव के दौरान डॉलर की मांग और बढ़ जाती है।

अब धोखाधड़ी मामलों की जांच करेंगे जेडी वेंस, ट्रंप ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राजनीति और प्रशासनिक कार्रवाई का एक नया अध्याय शुरू होता हुआ दिख रहा है। इसके तहत राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को उपराष्ट्रपति जेडी. वेंस को देश में धोखाधड़ी की जांच का जिम्मा सौंपा है। वेंस अब अपने नए पद फ्रॉड जार के रूप में कार्य करेंगे और उनका काम न केवल व्यापक और महत्वपूर्ण है, बल्कि देश के भविष्य और वित्तीय स्थिरता को भी प्रभावित कर सकता है। इस कदम से सरकार की नीतियों और संघीय फंड्स के उपयोग पर नजर रखने का संकेत मिलता है।

इस बात का एलान करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अब अमेरिका में धोखाधड़ी की जांच करेंगे। उनका नया पद फ्रॉड जार है। ट्रंप के मुताबिक, वेंस का काम बहुत बड़ा और महत्वपूर्ण है और यह देश के भविष्य को प्रभावित करेगा।

कहां तक होगी वेंस की जांच समझिए: सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर किए

गए पोस्ट में ट्रंप ने बताया कि वेंस की जांच हर जगह होगी, लेकिन मुख्य रूप से उन राज्यों में जहां डेमोक्रेट पार्टी की सरकार है। उन्होंने विशेष रूप से कैलिफोर्निया, इलिनोइस और मिनेसोटा का नाम लिया। अपने पोस्ट में ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया कि लॉस एंजेलिस में पहले ही छापे शुरू हो चुके हैं। उन्होंने इसे फ्रॉड जार का काम बताया और कहा कि यह कार्य उन ब्लू स्टेट्स में विशेष रूप से केंद्रित होगा, जहां उनके मुताबिक डेमोक्रेट राजनेताओं ने टैक्सपेयर्स का पैसा चुराने में खुला खेल किया। ट्रंप का कहना है कि अगर जांच सफल हुई, तो अमेरिका का बजट संतुलित किया जा सकता है।

एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे: गौरतलब है कि इससे पहले ट्रंप ने एक कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके तहत वेंस के नेतृत्व में एक राष्ट्रीय कार्यदल बनाए गए हैं। इस दल का काम उन राज्यों में संघीय फंड्स के दुरुपयोग या चोरी की पुष्टि करना है, जो सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के लिए निर्धारित हैं।

हैदराबाद की दूसरी हार पंत का नाबाद अर्धशतक, शमी को 2 विकेट

आईपीएल लखनऊ 5 विकेट से जीती

हैदराबाद। कप्तान ऋषभ पंत की नाबाद अर्धशतकीय पारी की मदद से लखनऊ सुपर जाएंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को पांच विकेट से हराया। हैदराबाद ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 156 रन बनाए थे। जवाब में लखनऊ ने पंत के नाबाद 68 रनों के दम पर 19.5 ओवर में पांच विकेट पर 160 रन बनाकर मैच जीता। लखनऊ ने इस तरह इस सीजन का अपना पहला मैच जीता, जबकि तीन मैचों में सनराइजर्स की यह दूसरी हार है।

सनराइजर्स के खिलाफ बेहतर है लखनऊ का रिकॉर्ड

हैदराबाद के खिलाफ लखनऊ का रिकॉर्ड अच्छा रहा है और उसने इस टीम के खिलाफ पिछले सात में से पांच मुकाबले जीते हैं। इसमें से हैदराबाद में टीम ने चार में से तीन मैच अपने नाम किए हैं। लखनऊ अगर ये मुकाबला अपने नाम करने में सफल रहा तो इसका श्रेय पूरी तरह पंत को जाता है। एक समय मैच फंसता हुआ नजर आ रहा था, लेकिन पंत टिके रहे और उन्होंने चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई। पंत ने पहले 43 गेंदों पर अपना पचासा पूरा किया और फिर टीम को जीत दिलाकर अपनी जिम्मेदारी पूरी की। पंत ने 50 गेंदों की अपनी पारी में नौ चौके लगाए।

लखनऊ ने ओपनिंग में फिर किया बदलाव

लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ के लिए एडेन मार्करम और मिचेल मार्श ने पारी की शुरुआत की। पिछले मैच में पंत ओपनिंग करने उतरे थे, लेकिन लखनऊ टीम प्रबंधन ने एक बार फिर ओपनिंग क्रम में बदलाव किया और पंत को तीसरे नंबर पर उतारा। मार्श और मार्करम के बीच पहले विकेट के लिए 37 रनों की साझेदारी हुई। इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे ईशान मलिंगा ने मार्श (14) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद पंत और मार्करम ने पारी आगे बढ़ाई और दूसरे विकेट के लिए 40 रन जोड़े। मार्करम हालांकि, अर्धशतक लगाने से चूक गए 45 रन बनाकर आउट हुए।

हैदराबाद के खिलाफ जमकर चलता है पंत का बल्ला

लखनऊ ने फिर आयुष बदोनी (12), निकोलस पूरन (16) और अब्दुल समद (16) के विकेट गंवाए। लखनऊ को आखिरी ओवर में जीत के लिए नौ रन की जरूरत थी और हैदराबाद ने जयदेव उनादकट से आखिरी ओवर कराया। पंत ने पहली दो गेंदों पर चौका लगाकर स्कोर बराबर किया और फिर पांचवीं गेंद पर विजयी चौका लगाया। पंत तीसरे नंबर पर खेलते हुए सफल रहे। सनराइजर्स के खिलाफ पंत का बल्ला जमकर चलता है। इस टीम के खिलाफ 19 पारियों में पंत ने 44.71 के औसत और 143.24 के स्ट्राइक रेट से 626 रन बनाए हैं। इस दौरान पंत ने एक शतक और एक अर्धशतक लगाया है। सनराइजर्स के लिए हर्ष दुबे ने दो विकेट झटके, जबकि ईशान मलिंगा और शिवांग कुमार को एक-एक विकेट मिला।

ब्रीफ न्यूज

भारतीय एथलेटिक्स मुरली श्रीशंकर ने 8.15 मीटर की छलांग के साथ भारतीय एथलेटिक्स श्रृंखला में शानदार शुरुआत की

बेंगलुरु। भारतीय एथलेटिक्स श्रृंखला में मुरली श्रीशंकर ने पुरुषों की लंबी कूद में 8.15 मीटर की छलांग लगाकर अपने सीजन की शानदार शुरुआत की। बेंगलुरु में 27 वर्षीय श्रीशंकर ने अपने चौथे प्रयास में 8 मीटर का आंकडा और एशियाई खेलों के लिए निर्धारित 7.91 मीटर का मानक पार करने वाले एकमात्र एथलीट बने।
पुरुषों की ट्रिपल जंप में पूर्व एशियाई चैंपियन अब्दुल्ला अबू बकर ने 16.82 मीटर की छलांग लगाकर पहला स्थान हासिल किया। पेरिस ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले सर्वेश कुशारे ने 2.23 मीटर की छलांग लगाकर पुरुषों की ऊंची कूद में जीत हासिल की। बरानिका एलंगोवन ने महिला पोल वॉल्ट में शानदार प्रदर्शन किया, जबकि एंसी सोजान ने शैली सिंह को महज दो सेंटीमीटर के अंतर से हराकर महिला लंबी कूद का खिताब अपने नाम किया। पुरुषों के भाला फेंक में, बिबिन एंटनी ने 77.53 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ जीत हासिल की। श्रृंखला की अगली प्रतियोगिता कल उदयपुर में होगी। इसके बाद संगरूर और रांची में अगले दौर के मुकाबले होंगे।

एक दिवसीय वर्ल्ड कप 2027 पर हार्दिक पांड्या की नजर

10 ओवर गेंदबाजी के लिए कर रहे खास तैयारी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने अभी से वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शुरू कर दी हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक पांड्या ने चयनकर्ताओं और टीम मैनेजमेंट को स्पष्ट कर दिया है कि वह 2027 विश्व कप का हिस्सा बनना चाहते हैं। इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए वह पिछले कुछ महीनों से अपनी गेंदबाजी पर खास काम कर रहे हैं। टीम मैनेजमेंट और सिलेक्टर्स की सबसे बड़ी शर्त यह है कि पांड्या वनडे क्रिकेट में जरूरत पड़ने पर पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करने के लिए पूरी तरह फिट रहें। हालांकि हर मैच में उनसे पूरा स्पेल नहीं कराया जाएगा, लेकिन टीम को जब जरूरत हो, तब वह यह जिम्मेदारी निभा सकें। यही कारण है कि पांड्या अपनी फिटनेस और वर्कलोड मैनेजमेंट पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। इस दिशा में उनकी प्रगति का संकेत विजय हजारे ट्रॉफी में देखने को मिला, जहां उन्होंने चंडीगढ़ के खिलाफ मुकाबले में पूरे 10 ओवर गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट झटके। इस प्रदर्शन ने यह साफ कर दिया कि वह लंबा स्पेल डालने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। इससे पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उन्हें इसी वजह से शामिल नहीं किया गया था क्योंकि तब वह 10 ओवर गेंदबाजी के लिए पूरी तरह फिट नहीं माने गए थे।

मैच- 11 आईपीएल में सीएसके की लगातार तीसरी हार

आरसीबी सीजन का बेस्ट स्कोर बनाकर 43 रन से जीती

टिम डेविड ने 8 छक्के लगाए

मुंबई। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स को लगातार तीसरी हार मिली। टीम को चिन्नास्वामी स्टेडियम में होम टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 43 रन से हरा दिया। रविवार के दूसरे मैच में टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी आरसीबी ने 250 रन बनाए। यह सीजन का बेस्ट स्कोर है। सीएसके 207 रन ही बना सकी।

आरसीबी के लिए टिम डेविड ने 25 गेंद पर 8 छक्के लगाकर 70 रन बनाए। कप्तान रजत पाटीदार ने 48, फिल सॉल्ट ने 46, विराट कोहली ने 28 और देवदत्त पडिक्कल ने 50 रन बनाए। भुवनेश्वर कुमार ने 3 विकेट लिए। अभिनंदन सिंह, जैकब डफी और क्रुणाल पंड्या को 2-2 विकेट मिले। भूवी ने आईपीएल में 200 विकेट पूरे कर लिए।

सीएसके के लिए प्रशांत वीर ने 43 और जैमी ओवर्टन ने 37 रन बनाए। ओवर्टन, अंशुल कम्बोज और शिवम दुबे को 1-1 विकेट मिला। टीम इससे पहले राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स से भी हार चुकी है। दूसरी ओर बेंगलुरु ने पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को हराया था।

रविवार के पहले मैच में लखनऊ ने हैदराबाद को 5 विकेट से हराया था। पढ़ें मैच की खबर...

20वें ओवर की चौथी गेंद पर अभिनंदन सिंह ने मैट हेनरी को मिड-विकेट पर कैच करा दिया। इसी के साथ सीएसके 207 रन पर सिमट गई और आरसीबी ने 43 रन से मैच जीत लिया।

भुवनेश्वर को तीसरा विकेट 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर भुवनेश्वर कुमार ने अपना तीसरा विकेट भी ले लिया। उन्होंने बाउंसर गेंद फेंकी, नूर अहमद लॉन्ग ऑन पर विराट कोहली के हाथों कैच हो गए। नूर ने 8 रन बनाए।

भुवनेश्वर कुमार ने इतिहास रचा

आईपीएल 2026 के 11वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 1 विकेट लेते ही तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने इतिहास रच दिया है। वे आईपीएल में 200 विकेट लेने वाले दुनिया के दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। भुवनेश्वर को तीसरा विकेट 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर भुवनेश्वर कुमार ने अपना तीसरा विकेट भी ले लिया। उन्होंने बाउंसर गेंद फेंकी, नूर अहमद लॉन्ग ऑन पर विराट कोहली के हाथों कैच हो गए। नूर ने 8 रन बनाए।

18 साल की पायल ने वर्ल्ड चैम्पियन शीतल को हराया

सीनियर कैटेगरी में पहली बार जीता गोल्ड

बैंकॉक। वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज में भारत ने 7 गोल्ड, 5 सिल्वर, 4 ब्रॉन्ज सहित कुल 16 मेडल जीतकर टेबल में शीर्ष स्थान हासिल किया है। वर्ल्ड नंबर-1 और वर्ल्ड चैम्पियन शीतल देवी उलटफेर का शिकार हो गई हैं। महिला कंपाउंड फाइनल में 18 वर्षीय पायल नाग ने शीतल को 139-136 से हराकर गोल्ड अपने नाम किया। यह एक साल के भीतर शीतल पर पायल की दूसरी जीत है। इससे पहले, उन्होंने जनवरी 2025 में भी शीतल को हराया था। पायल ने करियर में पहली बार सीनियर कैटेगरी में इंटरनेशनल गोल्ड जीता।

माउथ पेंटिंग से आर्चरी तक का सफर

2015 में ओडिशा के बलांगीर जिले के एक ईंट भट्टे में बिजली के तार की चपेट में आने से पायल ने अपने दोनों हाथ और दोनों पैर गंवा दिए। उस समय पायल की उम्र सिर्फ 8 साल थी। जब वे अस्पताल से घर लौटीं, तो पड़ोसियों और रिश्तेदारों का रवैया ठीक नहीं था। लोगों ने उनकी मां से कहा, 'यह बच्ची अब क्या ही करेगी, इसे मार क्यों नहीं देतीं?'

कुछ कर दिखाने का जुनून

पायल बताती हैं कि उन कड़वी बातों ने उन्हें तोड़ा नहीं, बल्कि कुछ बनने का जुनून भर दिया। हाथ नहीं थे, तो पायल की मां ने उनके मुंह में पेन पकड़ाकर कहा, 'अब यही तुम्हारा हाथ है।' पायल ने मुंह से लिखना सीखा और फिर स्केचिंग शुरू की। आर्चरी से पहले उन्होंने माउथ-पेंटिंग में राज्य स्तर पर गोल्ड जीता था। पायल के जीवन में एक मोड़ तब आया, जब बिना बताए अनाथालय भेज दिया। वहां वे घरवालों के लिए सिसकती रहीं, लेकिन वही अनाथालय उनकी खेल प्रतिभा का गवाह बना।

आईपीएल में आज होगा केकेआर और पंजाब किंग्स का मुकाबला

शाम 7.30 बजे से शुरु होगा मैच

कोलकात। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम सोमवार को आईपीएल में अपने तीसरे मुकाबले मे पंजाब किंग्स के खिलाफ ईडन गार्डन में जीत की उम्मीद से उतरेगी। केकेआर का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर अपना खाता खोलना रहेगा। 2024 की विजेता केकेआर के लिए अब तक का सत्र बेहद खराब रहा है और उसे अपने दोनो ही मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। पहले मैच में उसे मुम्बई इंडियंस जबकि दूसरे मैच में सनराइजर्स से हार का सामना करना पड़ा है। इससे टीम पर काफी दबाव है। वहीं दूसरी ओर पंजाब किंग्स अपने शुरुआती दोनो मैच जीतकर उत्साह से भरी है उसने पहले मैच में गुजरात टाइटंस और दूसरे मैच में चेन्नई सुपरकिंग्स को हराया था। वहीं आंकड़ों पर नजर डालें तो केकेआर और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल में कड़ी टक्कर हुई है, जिसमें कुल 35 मैचों में से केकेआर ने 21 और पंजाब ने 13 मैच जीते हैं पर ईडन में केकेआर हावी रही है उसने यहां 14 में से 9 मैच जीते हैं। केकेआर की कप्तानी आजिंक्य रहाणे जबकि पंजाब की श्रेयस अय्यर कर रहे हैं।

थाईलैंड में एएफसी अंडर 20 महिला एशियाई कप मुकाबले में गेंद के लिए संघर्ष करती हुई चीनी और बांग्लादेशी खिलाड़ी।

आईपीएल में सात खिलाड़ियों ने लगाई प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड की हैट्रिक

क्या समीर रिजवी बनाएंगे कीर्तिमान

आईपीएल में लगातार तीन प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतना किसी खिलाड़ी की असाधारण फॉर्म और मैच पर पकड़ को दर्शाता है। समीर रिजवी का इस लिस्ट में शामिल होना बताता है कि भारतीय क्रिकेट में नई प्रतिभाएं तेजी से उभर रही हैं और आने वाले समय में यह रिकॉर्ड और आगे बढ़ सकता है। आईपीएल में लगातार तीन मुकाबलों में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतना किसी असाधारण फॉर्म और आत्मविश्वास का संकेत होता है। अब तक कोई खिलाड़ी लगातार चार बार यह खिताब नहीं जीत पाया है, लेकिन कई दिग्गजों ने तीन मैचों तक अपनी बादशाहत कायम रखी है। इस खास लिस्ट में अब एक नया नाम जुड़ गया है और वह खिलाड़ी है समीर रिजवी।

समीर रिजवी ने आईपीएल 2025 में दिल्ली के आखिरी मैच में और 2026 के शुरुआती दोनों मैच में 'प्लेयर ऑफ द मैच' अवॉर्ड जीतकर खुद को इस खास क्लब में शामिल कर लिया। उन्होंने 2025 सीजन के आखिरी मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ सिर्फ 25 गेंदों में नाबाद 58 रन बनाकर 207 रन का लक्ष्य हासिल करने में मदद की थी। इसके बाद 2026 सीजन की शुरुआत में उन्होंने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 47 गेंदों में 70 रन बनाए और फिर मुंबई इंडियंस के खिलाफ 51 गेंदों में 90 रन की शानदार पारी खेली। खास बात यह रही कि उनके दो प्रदर्शन इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में आए, जिसने उनकी उपयोगिता और बढ़ा दी।

जैक इस उपलब्धि को हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी थे। 2010 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेलते हुए उन्होंने पहले मैच में 55 गेंदों पर नाबाद 89 रन बनाए और एक विकेट भी लिया। इसके बाद राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 44 रन और दो विकेट लेकर टीम को 10 विकेट से जीत दिलाई। तीसरे मैच में उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 66 रन बनाकर टीम को आसान जीत दिलाई। उनके प्रदर्शन में निरंतरता और संतुलन साफ दिखा।

वीरेंद्र सहवाग: कप्तानी में भी धमाका

वीरेंद्र सहवाग ने 2012 में दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) के कप्तान रहते हुए यह कारनामा किया। उन्होंने पुणे के खिलाफ नाबाद 87 रन बनाकर आसान जीत दिलाई। इसके बाद मुंबई इंडियंस के खिलाफ 39 गेंदों में 73 रन और फिर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 63 रन की पारी खेलकर टीम को रोमांचक जीत दिलाई। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने टीम को लगातार मजबूती दी। एरॉन फिंच ने गुजरात लायंस के लिए खेलते हुए लगातार तीन मैचों में अर्धशतक जड़कर यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने पंजाब, पुणे और मुंबई के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए शानदार पारियां खेलीं। मुंबई के खिलाफ उनकी 54 गेंदों में 67 रन की पारी खास रही, जिसमें आखिरी गेंद पर जीत मिली। यह उनकी मैच फिनिशिंग क्षमता का शानदार उदाहरण था।

विराट कोहली: रिकॉर्ड तोड़ सीजन

विराट कोहली ने 2016 के ऐतिहासिक सीजन में यह उपलब्धि हासिल की, जब उन्होंने 973 रन बनाए थे। उन्होंने कोलकाता और दिल्ली के खिलाफ तेज अर्धशतक लगाए और फिर पंजाब के खिलाफ 50 गेंदों में 113 रन की धमाकेदार पारी खेली। उनकी इस पारी में 12 चौके और 8 छक्के शामिल थे, जो आईपीएल इतिहास की यादगार पारियों में गिनी जाती है।

जोस बटलर: दमदार प्रदर्शन से जीता दिल

जोस बटलर ने 2018 में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलते हुए लगातार तीन मैचों में 80+ स्कोर बनाए। उन्होंने पंजाब के खिलाफ 82, चेन्नई के खिलाफ 95* और मुंबई के खिलाफ 94* रन बनाए। उनकी पारियों में शानदार स्ट्राइक रेट और लंबी बल्लेबाजी देखने को मिली, जो किसी भी ओपनर के लिए आदर्श मानी जाती है।

शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को मिले लाभ : कलेक्टर

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

कलेक्टर जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा बैठक लेकर विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समय सीमा के लंबित प्रकरणों एवं प्राप्त शिकायतों का शीघ्र, पारदर्शी और प्रभावी निराकरण सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण करना सुनिश्चित करने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध और सुचारू रूप से पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने साप्ताहिक समय-सीमा बैठक में बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैठक में अनुपस्थिति और कार्यों में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। कलेक्टर ने अधिकारियों को मिशन कर्मयोगी एप में सभी आवश्यक जानकारी एवं कार्यों को 8 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर प्रशिक्षण प्राप्त करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि राशन कार्ड बनाने के पूर्व पात्र हितग्राहियों के सभी दस्तावेज सत्यापन की प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जाए। उन्होंने प्रत्येक पीडीएस दुकानों में प्रतिमाह चावल उत्सव मनाने कहा एवं चावल उत्सव के दौरान अधिकारियों को निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने जांजगीर-अकलतरा एवं अन्य व्यस्ततम मार्ग पर सड़क पर विचरण कर रहे मवेशियों को अभियान चलाकर हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने एवं दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु नियमित निगरानी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर ने जिले में जल संरक्षण एवं संचय के कार्यों को अभियान के रूप में संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि गर्मी के मद्देनज़र जल स्रोतों के संरक्षण, संवर्धन और पुनर्भरण के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि महात्मा गांधी नरेगा के माध्यम से अधिकाधिक जल संरचना से जुड़े कार्य जैसे तालाब गहरीकरण, कुआं निर्माण, आजीविका डबरी, सोख्ता गड्ढे को प्राथमिकता देते हुए स्वीकृत कराया जाए और समयबद्ध तरीके से पूर्ण किया जाए। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभागों को ई-अटेंडेंस एवं ई-ऑफिस प्रणाली का अनिवार्य रूप से उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यालयीन कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए डिजिटल प्रणाली का प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है। कलेक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी एवं कर्मचारी नियमित रूप से ई-अटेंडेंस दर्ज करें तथा ई-ऑफिस के माध्यम से ही फाइलों का संचालन करें। कलेक्टर ने जिले में गर्मी में पेयजल की नियमित आपूर्ति और वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा है। उन्होंने जिले में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण के लिए विभागवार कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि किसानों को खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। किसी भी स्थिति में वितरण में कमी या अव्यवस्था न हो। उन्होंने लक्ष्य अनुरूप पात्र हितग्राहियों को रामलला दर्शन योजना का लाभ देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने विभिन्न विभागों एवं योजनाओं अंतर्गत लंबित प्रकरणों के निराकरण हेतु शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए।

जिला पंचायत सीईओ ने जनदर्शन में सुनीं लोगों की समस्याएँ, 28 आवेदन प्राप्त हुये, कई मामलों का हुआ त्वरित निराकरण

बेमेतरा/मूक पत्रिका

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशानुसार आज सोमवार को कलेक्टोरेट के दृष्टि सभा कक्ष में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) श्रीमती प्रेमलता पदमाकर ने की। जनदर्शन में जिले के विभिन्न विकासखंडों और ग्रामों से आए नागरिकों ने अपनी-अपनी शिकायतें, समस्याएँ और मांगें रखीं। इस दौरान सीईओ श्रीमती पदमाकर ने सभी उपस्थित नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

कई मामलों का निराकरण मौके पर ही किया गया, जबकि जांच योग्य मामलों को टीएल पंजी (टाइम लिमिट रजिस्टर) में दर्ज कर शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए।

ग्रामीणों की विभिन्न समस्याएँ आईं सामने

जनदर्शन में कुल 28 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से कई तात्कालिक महत्व के थे। इनमें भूमि संबंधी विवाद, पेंशन, मुआवजा, आवास योजना, विद्युत तारों की ऊँचाई, रास्ते की समस्या, मुक्तिधाम के लिए भूमि जैसी शिकायतें प्रमुख रहीं।इसके अतिरिक्त, आम नागरिकों द्वारा निराश्रित पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, दिव्यांग पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृति, बैटरी चलित ट्रायसायकल की मांग, कटा हुआ रकबा जोड़ने, खाद गड्ढा हटाने, तथा आम रास्ता खुलवाने जैसे विषयों पर भी आवेदन प्रस्तुत किए गए। सीईओ श्रीमती प्रेमलता पदमाकर ने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन का समय-सीमा में निपटारा किया जाए और समाधान की जानकारी आवेदक को दी जाए। उन्होंने कहा कि जनदर्शन का मुख्य उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है, ताकि कोई भी व्यक्ति अपनी शिकायतों के निराकरण से वंचित न रहे।इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री प्रकाश भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

दिव्यांगजनों के लिए बीजापुर में विशेष पहल, ब्लॉक स्तर पर लगेंगे शिविर

उपचार, परीक्षण से लेकर DID कार्ड और सहायक उपकरण तक एक ही जगह सुविधा; अप्रैल में चार जगह आयोजन

बीजापुर।/मूक पत्रिका

जिले के दिव्यांगजनों को एक ही मंच पर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए समाज कल्याण विभाग ने ब्लॉक स्तर पर शिविरों की श्रृंखला शुरू करने का निर्णय लिया है। इन शिविरों में दिव्यांगजनों के उपचार परीक्षण, मूल्यांकन और सहायक उपकरण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।समाज कल्याण विभाग के अनुसार, शिविरों के माध्यम से दिव्यांगजनों का चिन्हांकन और पंजीयन किया जाएगा। साथ ही ष्ठढ्ढष्ठ कार्ड बनाए जाएंगे और पात्र हितग्राहियों को जरूरत के मुताबिक उपकरण देने के लिए चयन किया जाएगा। जिनके पेंशन प्रकरण लंबित हैं, उनका निराकरण भी मौके पर किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के तहत 13 अप्रैल को बीजापुर ब्लॉक के पाडिया, 14 अप्रैल को भैरमगढ़ के फरसेगढ़, 16 अप्रैल को भोपालपटनम के दम्मूर और 22 अप्रैल को उसूर ब्लॉक के पुजारी कांकेर में शिविर लगाए जाएंगे। सभी शिविर सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेंगे।इन शिविरों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम दिव्यांगजनों की जांच करेगी। समाज कल्याण और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम पूरी प्रक्रिया में सहयोग करेगी, ताकि हितग्राहियों को बिना भटकाव के सेवाएं मिल सकें।जिला प्रशासन ने अपील की है कि अधिक से अधिक दिव्यांगजन इन शिविरों में पहुंचकर शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं।

निजी भूमि में फ्लाईएश डंपिंग, भाजपा मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा ने गलत खसरा न. दर्शाकर शासकीय भूमि बता कर की शिकायत

जमीन मालिक के द्वारा जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में की गई शिकायत

रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ में एक निजी भूमि पर फ्लाई ऐश (राख) डंपिंग के मामले में स्थानीय भाजपा मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा एवं घरघोड़ा वार्ड नं 3 का पार्षद के द्वारा उसे शासकीय भूमि खसरा नंबर 311/1 जो शासकीय मद में दर्ज है को बताकर शिकायत दर्ज कराने का मामला सामने आया है। घरघोड़ा ब्लॉक के नवापारा पंचायत में शासकीय भूमि पर शारदा मिनरल्स दर्रामुड़ा से निकलने वाले फ्लाई ऐश को अवैध रूप से डंपिंग करने का आरोप लगाया गया है ।भाजपा मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा भोलू उरांव इस मामले में नयाब तहसीलदार घरघोड़ा को शिकायत कर कार्यवाही की मांग की गई । विडंबना यह है कि जमीन मालिक ने इस

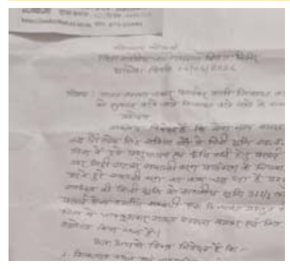

शिकायत को गलत बताते हुए आज जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर में शिकायत की जमीन मालिक सनत राम राठिया के द्वारा बताया गया कि यह निजी भूमि खसरा नंबर 311/4 है जिसमें पशुपालन एवं कृषि कार्य हेतु फ्लाईएस पाटा जा रहा है व ऊपर मिट्टी पाटकर समतलीकरण का कार्य पर्यावरण नियमानुसार समतलीकरण का कार्य चल रहा है। परंतु भाजपा युवा मंडल अध्यक्ष के द्वारा मेरी निजी भूमि को शासकीय भूमि खसरा नंबर 311/1 गलत खसरा नंबर दर्शाकर नायब तहसीलदार घरघोड़ा को फर्जी शिकायत की गई है जिसमें जानबूझ गलत खसरा नंबर एवं भिन्न स्थल का उल्लेख किया गया है। जमीन मालिक सनत राम राठिया के द्वारा जिला स्तरीय जन समस्या निवारण में शिकायत कर निष्पक्ष स्थल एवं वास्तविक कार्य स्थल का राजस्व एवं पर्यावरण विभाग के संयुक्त टीम के द्वारा निरीक्षण कराया जाये। वास्तविक स्थिति यह है कि संबंधित कार्य विधिवत स्वीकृत/वैध निजी भूमि पर सभी नियमों एवं शर्तों का पालन करते हुए किया जा रहा है। शिकायत में वर्णित भूमि और वास्तविक कार्यस्थल पूर्णतः अलग हैं। प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट है कि शिकायतकर्ता द्वारा दुर्भावना, व्यवसायिक नुकसान पहुंचाने, सामाजिक प्रतिष्ठा धूमिल करने एवं प्रशासनिक दबाव बनवाने की नीयत से झूठी एवं भ्रामक शिकायत की गई है। भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 217 के अनुसार यदि कोई व्यक्ति लोक सेवक को जानते-बूझते झूठी सूचना देता है ताकि उसके वैध अधिकार का उपयोग किसी अन्य व्यक्ति को नुकसान/परेशानी पहुंचाने में हो, तो यह दंडनीय अपराध है। इसी प्रकार झूठे आरोपों के माध्यम से प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचाना धारा 356 (मानहानि) के अंतर्गत भी आता है। शिकायतित स्थल एवं वास्तविक कार्यस्थल का राजस्व एवं पर्यावरण विभाग की संयुक्त टीम से निष्पक्ष स्पॉट निरीक्षण कराया जाए। सही खसरा नंबर, नक्शा, सीमांकन एवं त्रक्क- लोकेशन के आधार पर तथ्य सत्यापित किए जाएँ,शिकायत असत्य पाए जाने पर शिकायतकर्ता के विरुद्ध ब्नहस् धारा 217 एवं 356 के तहत वैधानिक कार्यवाही हेतु सक्षम प्राधिकारी/पुलिस को प्रेषित किया जाए।गलत शिकायत के कारण हुए व्यवसायिक अवरोध, सामाजिक बदनामी एवं प्रशासनिक उत्पीड़न का संज्ञान लिया जाए। भविष्य में ऐसी झूठी शिकायतों की पुनरावृत्ति रोकने हेतु शिकायतकर्ता को चेतावनी/प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की जाए। आपकी निष्पक्ष जांच से सत्य सामने आएगा और झूठे आरोपों के माध्यम से बदनाम करने की साजिश उजागर होगी।

उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों के इम्पैनलमेंट के लिए 'रुचि की अभिव्यक्ति' आमंत्रित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति तथा जनजाति विद्यार्थी उत्कर्ष योजना (पूर्व में जवाहर उत्कर्ष योजना) के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित उत्कृष्ट आवासीय शिक्षण संस्थानों के इम्पैनलमेंट हेतु ÷रुचि की अभिव्यक्ति÷ आमंत्रित की गई है। इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के ग्रामीण प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना, उन्हें बेहतर करियर चयन के लिए सक्षम बनाना तथा प्रतिस्पर्धी वातावरण में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है। साथ ही विद्यार्थियों के बहुमुखी व्यक्तित्व विकास पर भी विशेष जोर दिया गया है। योजना के तहत चयनित विद्यार्थियों को कक्षा 6वीं से 12वीं तक राज्य के उत्कृष्ट आवासीय विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा की सुविधा दी जाएगी। चयनित संस्थानों को विभाग द्वारा निर्धारित शुल्क की प्रतिपूर्ति भी की जाएगी। इच्छुक संस्थानों को निर्धारित प्रारूप में ÷रुचि की अभिव्यक्ति÷ प्रस्ताव अपने जिले के सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग के कार्यालय में जमा करना अनिवार्य होगा। प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि 23 अप्रैल 2026, अपरान्ह 5:00 बजे तक निर्धारित की गई है। योजना से संबंधित मापदण्ड एवं विस्तृत जानकारी विभाग की आधिकारिक वेबसाइट www.tribal.cg.gov.in पर उपलब्ध है, जहां से इच्छुक संस्थाएं आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त कर सकती हैं।

एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने निकली छत्तीसगढ़ की बेटी, मुख्यमंत्री ने दी शुभकामनाएं

जांजगीर-चांपा/मूक पत्रिका

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जांजगीर-चांपा जिले की युवा पर्वतारोही सुश्री अमिता श्रीवास को उनके आगामी माउंट एवरेस्ट अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में पर्वतारोही सुश्री अमिता श्रीवास से मुलाकात के दौरान कहा कि आगामी 9 अप्रैल को सुश्री अमिता विश्व की सर्वोच्च चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा फहराने के संकल्प के साथ काठमांडू के लिए रवाना हो रही हैं। यह केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि की यात्रा नहीं, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ की आकांक्षाओं, साहस और आत्मविश्वास की ऊंची उड़ान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अमिता का यह अभियान इस बात का प्रमाण है कि यदि संकल्प अटल हो, तो कोई भी ऊंचाई असंभव नहीं रहती। प्रदेश की बेटियां आज हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से नए मानक स्थापित कर रही हैं और छत्तीसगढ़ को नई पहचान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि अमिता श्रीवास ने वर्ष 2021 में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर माउंट किलिमंजारो को फतह कर पहले ही अपनी क्षमता और दृढ़ता का परिचय दिया है। उनका यह सतत प्रयास न केवल उपलब्धि है, बल्कि प्रदेश की युवा पीढ़ी, विशेषकर बेटियों के लिए एक जीवंत प्रेरणा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अमिता अपने इस साहसिक अभियान में सफलता प्राप्त कर विश्व की सबसे ऊंची चोटी पर देश का तिरंगा फहराएंगी और छत्तीसगढ़ सहित पूरे राष्ट्र का गौरव बढ़ाएंगी। मुख्यमंत्री ने सुश्री अमिता श्रीवास को इस महत्वपूर्ण अभियान के लिए प्रदेशवासियों की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नशा मुक्त भारत एवं टीबी मुक्त भारत के लिए बेरला में कार्यशाला आयोजित

बेरला /मूक पत्रिका

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेरला के बैठक हाल में आज नशा मुक्त भारत एवं टीबी मुक्त भारत अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में स्वास्थ्य संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं, वृद्धजनों, मितानिनों एवं ग्रामीणों ने सहभागिता की।कार्यक्रम में मितानिन कार्यक्रम बेरला की स्वस्थ पंचायत समन्वयक श्रीमती सत्यभामा परगनिहा ने भारत को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से उपस्थित लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश में प्रतिवर्ष लगभग 9 से 10 लाख लोगों की मृत्यु नशे के कारण होती है। नशा व्यक्ति को सामाजिक, आर्थिक, शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रभावित कर समाज को भीतर से खोखला करता है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को नशे से दूर रहना चाहिए। कार्यशाला के दौरान शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं जैसे रोजगार गारंटी, पेंशन, मध्यान्ह भोजन, दस्त नियंत्रण, पेयजल व्यवस्था तथा प्रत्येक पंचायत में सोखता गड्ढा निर्माण के संबंध में भी जानकारी दी गई और लोगों को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया।

इसी अवसर पर राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेरला में पदस्थ ब्लॉक वरिष्ठ पर्यवेक्षक दिनेश गंगबेर ने टीबी उन्मूलन के लिए उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई। उन्होंने 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत 24 मार्च 2026 से चलाए जा रहे उच्च जोखिम समूह की पहचान एवं एक्स-रे जांच कराने की अपील की।

कार्यक्रम में एमटी प्रेमलता सिन्हा, शकुंतला देवांगन (हेल्प डेस्क बेरला) तथा ग्राम स्वच्छता समिति के सदस्यों की उपस्थिति रही।

ध्वजारोहण, महापुरुषों के तैलचित्र पर पुष्पांजलि व मिष्ठान वितरण के साथ दोहराया सेवा का संकल्प

भाजपा युवा मोर्चा चांपा ने उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया भाजपा का 47वां स्थापना दिवस

चांपा/मूक पत्रिका

भारतीय जनता युवा मोर्चा नगर मंडल चांपा एवं बूथ क्रमांक 48 व 70 के तत्वावधान में विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी का 47वां स्थापना दिवस पूरे उत्साह, हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर भाजपा का ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के संस्थापक युगपुरुष दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई एवं भारत माता के तैलचित्र पर माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात मिष्ठान वितरण कर पार्टी के स्थापना दिवस की खुशियां साझा की गई। वक्ताओं ने भाजपा की विचारधारा, रीति-नीति और इतिहास पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार पार्टी ने दो सीटों से अपनी यात्रा शुरू कर विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने का गौरव प्राप्त किया। ÷सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास÷ और ÷अंत्योदय÷ के संकल्प के साथ देश सेवा को सर्वोपरि कर्तव्य बताया गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रदीप नामदेव, भाजपा महामंत्री गोपीचंद बरेठ, पूर्व मंडल अध्यक्ष गणेश श्रीवास, नंदकुमार देवांगन, मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र ताम्रकार, स्थापना दिवस संयोजक सुभाष शर्मा, बुनकर प्रकोष्ठ जिला सहसंयोजक संजय देवांगन, युवा मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष गिरीश मोदी, बूथ अध्यक्ष पवन देवांगन, ओबीसी मोर्चा मंडल उपाध्यक्ष बजरंग देवांगन, संतोष देवांगन सहित महामंत्री प्रदीप यादव, नवीन सोनी, ईश्वर प्रसाद कुमार, शैलेंद्र देवांगन, सुधीर सोनी, मनोज देवांगन, आकाश भोजवानी, दीपक देवांगन, नंद देवांगन, रिंकू वैष्णव, धर्मेंद्र देवांगन, जयदीप देवांगन, ननकी देवांगन, वेणु देवांगन, सोमू कुम्हार सहित भाजपा व युवा मोर्चा के समस्त पदाधिकारी, वरिष्ठ कार्यकर्ता, कार्यकर्ता बंधु एवं भगिनी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन देश सेवा और संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के संकल्प के साथ किया गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।